DSSSB PRT MBT Date 20-02-2026

Q.1 1991 के सुधारों के बाद से भारत की प्रति व्यक्ति आय में क्या रुझान रहा है?

A. कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं
B. निरंतर गिरावट
C. बिना किसी पैटर्न के उतार-चढ़ाव
D. क्रमिक वृद्धि

Answer: D

Sol: **सही उत्तर (d) क्रमिक वृद्धि है**

व्याख्या:

· 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से, भारत की प्रति व्यक्ति आय में लगातार वृद्धि हुई है, जो आर्थिक उदारीकरण और विकास को दर्शाती है।
· व्यापार, उद्योगों और वित्त में संरचनात्मक सुधारों ने उत्पादकता और निवेश को बढ़ाया।
· भले ही विकास दर में साल-दर-साल उतार-चढ़ाव आया हो, लेकिन दीर्घकालिक रुझान स्पष्ट रूप से ऊपर की ओर बढ़ने का रहा है।

Information Booster:

· 1991 के बाद से भारत की प्रति व्यक्ति आय चार गुना से अधिक बढ़ गई है।
· उदारीकरण के कारण सेवाओं, विनिर्माण और विदेशी निवेश का विस्तार हुआ, जिससे व्यक्तिगत आय के स्तर में वृद्धि हुई।

Additional Knowledge:

· विकल्प (a) गलत है: वृद्धि महत्वपूर्ण रही है।
· विकल्प (b) गलत है: भारत ने प्रति व्यक्ति आय में निरंतर गिरावट का अनुभव नहीं किया है।
· विकल्प (c) गलत है: जबकि वार्षिक वृद्धि बदलती रहती है, दीर्घकालिक पैटर्न ऊपर की ओर है।

Q.2 शिक्षा का अधिकार **(RTE)** अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया था?

A. 2009
B. 2010
C. 2015
D. 2012

Answer: B

Sol:

- बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम या शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 4 अगस्त 2009 को पारित भारतीय संसद का एक अधिनियम है।
- यह कानून भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21a के तहत भारत में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के महत्व के तौर-तरीकों का वर्णन करता है।
- 1 अप्रैल 2010 को अधिनियम लागू होने के बाद भारत शिक्षा को हर बच्चे का मौलिक अधिकार बनाने वाले 135 देशों में से एक बन गया।
- इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को रोका नहीं जाएगा, निष्कासित नहीं किया जाएगा या बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।
- विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों को समान आयु के छात्रों के बराबर लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण का भी प्रावधान है।
- यह RTE अधिनियम विश्व का पहला ऐसा कानून है जो नामांकन, उपस्थिति और पूर्णता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार पर डालता है।
- यह अधिनियम इसके कार्यान्वयन के लिए केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के लिए विशिष्ट जिम्मेदारियां निर्धारित करता है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए एक उच्च स्तरीय, 14 सदस्यीय राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC) की स्थापना की।

Q.3 संगम साहित्य की कृतियों में 'अकम' विषय के अंतर्गत जीवन के किस पहलू का अन्वेषण किया गया है?

A. कर्म (Deed)
B. राजनीति
C. युद्ध (War)
D. प्रेम

Answer: D

Sol: सही उत्तर है: **(d) प्रेम**

व्याख्या:

संगम साहित्य में, 'अकम' शब्द का अर्थ आंतरिक दुनिया या व्यक्तिगत/भावनात्मक जीवन है। यह मुख्य रूप से प्रेम, संबंधों, भावनाओं, व्यक्तिगत अनुभूतियों और रोमांटिक स्थितियों जैसे विषयों से संबंधित है।

Information Booster:

• अकम = प्रेम / भावनाएं / व्यक्तिगत जीवन
• पुरम = युद्ध / सार्वजनिक जीवन / वीरता
• संगम साहित्य तमिल (प्रारंभिक काल) में लिखा गया था
• समयावधि: **300 ईसा पूर्व – 300 ईस्वी** (लगभग)
• यह **प्रारंभिक तमिल समाज** के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

सामान्य संगम विशेषताएं

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

1,00,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

25,000+ Previous Year Papers

500% Refund

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

- भाषा – तमिल
- दो मुख्य विषय – अकम (प्रेम) और पुरम (युद्ध)
- संगम का अर्थ है कवियों का संघ
- औवैयार जैसी महिला कवयित्रियाँ प्रसिद्ध थीं

Q.4 भागा और चंद्रा धाराएं हिमाचल प्रदेश में किस स्थान पर मिलती हैं और चिनाब नदी का निर्माण करती हैं?

A. तांडी
B. वेरीनाग स्प्रिंग
C. रोहतांग दर्रा
D. कुल्लू

Answer: A

Sol: **सही उत्तर (a) तांडी है**

व्याख्या:

- भागा और चंद्रा नदियाँ हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में हिमालय के ग्लेशियरों से निकलती हैं।
- ये दोनों धाराएं हिमाचल प्रदेश में केलांग के पास स्थित एक जगह तांडी में मिलती हैं।
- तांडी में उनके संगम के बाद, संयुक्त नदी को चिनाब नदी के रूप में जाना जाता है।
- चिनाब सिंधु नदी प्रणाली की पांच प्रमुख नदियों में से एक है और जम्मू और कश्मीर और पाकिस्तान से होकर बहती है।
- INFORMATION BOOSTER: भूगोल (कक्षा 9 - अपवाह) के अनुसार, तांडी में चिनाब का निर्माण हिमालयी नदियों से संबंधित एक प्रमुख भौगोलिक तथ्य है।

Information Booster:

- भागा नदी बारालाचा ला दर्रे के पास सूर्य ताल (झील) से निकलती है।
- चंद्रा नदी चंद्र ताल (चंद्रमा झील) से निकलती है।
- चिनाब को प्राचीन ग्रंथों में असिकनी भी कहा जाता है।

Additional Knowledge (गलत विकल्पों के बारे में जानकारी):
वेरीनाग स्प्रिंग (विकल्प b)

- झेलम नदी का स्रोत, जम्मू और कश्मीर में स्थित है।

रोहतांग दर्रा (विकल्प c)

- कुल्लू और लाहौल को जोड़ने वाला एक उच्च पर्वतीय दर्रा, नदी संगम बिंदु नहीं।

कुल्लू (विकल्प d)

- व्यास नदी पर स्थित, चिनाब के निर्माण से संबंधित नहीं है।

Q.5 शेरशाह के प्रशासन के दौरान गाँव में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा अधिकारी जिम्मेदार था?

A. मुकद्दम
B. शिक्कदार
C. काज़ी
D. फोतेदार

Answer: B

Sol: सही उत्तर (b) सिक्कदार है

स्पष्टीकरण:

- शेरशाह की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत सिक्कदार (Shiqqdar) शिक (जिला इकाई) में कानून और व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस कार्यों की देखरेख के लिए जिम्मेदार था।
- सिक्कदार सुरक्षा, गिरफ्तारी और हिरासत की जिम्मेदारियों की निगरानी करता था और राजस्व/न्यायिक अधिकारियों के साथ काम करता था।
- शेरशाह के सुधारों ने स्थानीय प्रशासन, राजस्व और पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया।

Information Booster:

- मुकद्दम (a) एक ग्राम प्रधान था जो राजस्व संग्रह में शामिल था; काज़ी (c) न्यायिक मामलों को संभालता था; फोतेदार (d) एक कोषाधिकारी अधिकारी था।

Additional Knowledge:
मुकद्दम — स्थानीय मुखिया जिसे ग्राम-स्तरीय जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।
काज़ी — इस्लामी कानून मामलों के लिए न्यायिक अधिकारी।
फोतेदार — राजस्व/कर रिकॉर्ड कीपर।

Q.6 लम्बाडी नृत्य _____ जनजाति का एक लोक नृत्य है और इसकी उत्पत्ति आंध्र प्रदेश में हुई थी।

A. सुगाली
B. बंजारा
C. नक्काला
D. डब्बा येरुकुला

Answer: B

Sol: सही उत्तर (b) बंजारा है।

· लम्बाडी नृत्य बंजारा जनजाति का एक लोक नृत्य है और इसकी उत्पत्ति आंध्र प्रदेश में हुई थी।

· लम्बाडी नृत्य, जिसे बंजारा नृत्य या लम्बानी नृत्य के रूप में भी जाना जाता है, बंजारा समुदाय का एक पारंपरिक लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।

· इस नृत्य की विशेषता इसकी जीवंत और ऊर्जावान चाल है, जिसमें ढोलक, मंजीरा (झांझ) और बांसुरी जैसे पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्रों की लयबद्ध धड़कन होती है।

· लम्बाडी नृत्य में अक्सर प्रेम, प्रकृति और दैनिक जीवन के विषयों को दर्शाया जाता है, जिसमें नर्तक दर्पण के काम, मोतियों और कढ़ाई से सजे रंगीन पारंपरिक पोशाक पहनते हैं।

· सुगाली जनजाति मुख्य रूप से भारत के तेलंगाना क्षेत्र में पाई जाती है।

· नक्कला जनजाति भी मुख्य रूप से भारत के तेलंगाना क्षेत्र में पाई जाती है।

· डब्बा येरुकुला जनजाति एक खानाबदोश जनजातीय समुदाय है जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में पाया जाता है।

Q.7 जब गतिरोध उत्पन्न होता है, तो राष्ट्रपति को किस अनुच्छेद के तहत संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलानी पड़ती है?

A. अनुच्छेद 92
B. अनुच्छेद 64
C. अनुच्छेद 201
D. अनुच्छेद 108

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D) अनुच्छेद 108** है

व्याख्या:
• भारतीय संविधान का अनुच्छेद 108 लोकसभा और राज्यसभा के बीच गतिरोध की स्थिति में दोनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान करता है।
• गतिरोध तब होता है जब किसी विधेयक को दूसरे सदन द्वारा खारिज कर दिया जाता है, या यदि सदन संशोधनों पर असहमत होते हैं।

Information Booster:
• संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करते हैं।

Additional Knowledge:
• नोट: धन विधेयक या संविधान संशोधन विधेयक के लिए संयुक्त बैठक नहीं बुलाई जा सकती।

Q.8 निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक से अधिक बार दंडित होने से बचाता है?

A. अनुच्छेद 21
B. अनुच्छेद 23
C. अनुच्छेद 20
D. अनुच्छेद 22

Answer: C

Sol: सही उत्तर (c) अनुच्छेद 20 है।
· **अनुच्छेद 20** भारतीय संविधान अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण प्रदान करता है। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं:
· **खंड (1)**: कोई व्यक्ति किसी अपराध के लिए तब तक दोषसिद्ध नहीं ठहराया जाएगा, जब तक कि उसने ऐसा कार्य करने के समय, जो अपराध के रूप में आरोपित है, किसी प्रवृत्त विधि का अतिक्रमण नहीं किया है, और न वह उससे अधिक शास्ति का भागी होगा जो उस अपराध के किए जाने के समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिरोपित की जा सकती थी।
· **खंड (2)**: किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजित और दंडित नहीं किया जाएगा (दोहरे दंड के विरुद्ध संरक्षण)।
· **खंड (3)**: किसी अपराध के लिए अभियुक्त किसी व्यक्ति को स्वयं अपने विरुद्ध साक्षी होने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा (आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध संरक्षण)।

Information Booster:
अनुच्छेद 21:
· अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। इसमें कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित किया जाएगा।
अनुच्छेद 23:
· अनुच्छेद 23 मानव तस्करी और जबरन श्रम को प्रतिबंधित करता है। इसमें कहा गया है कि मानवों का दुर्व्यापार और बेगार तथा इसी प्रकार का अन्य जबरन श्रम निषिद्ध है और इस प्रावधान का कोई भी उल्लंघन कानून के अनुसार दंडनीय अपराध होगा।
अनुच्छेद 22:
· अनुच्छेद 22 कुछ मामलों में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण प्रदान करता है। यह उन व्यक्तियों को अधिकारों की गारंटी देता है जिन्हें गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, जिसमें गिरफ्तारी के आधारों के बारे में सूचित किए जाने का अधिकार, कानूनी व्यवसायी से परामर्श करने और बचाव करने का अधिकार, और गिरफ्तारी के 24 घंटों के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने का अधिकार शामिल है।

Q.9 निम्नलिखित में से किस एथलीट ने मई 2025 में 2025 खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 15.66 मीटर की छलांग के साथ ट्रिपल जंप में एक नया रिकॉर्ड बनाया?

A. शेख जीशान
B. तुषार चौधरी
C. अमिनेश कुजूर
D. कादिर खान

Answer: A

Sol: **समाधान:**
सही उत्तर: (a) शेख जीशान
व्याख्या:
· शेख जीशान ने ट्रिपल जंप स्पर्धा में एक नया खेलो इंडिया यूथ गेम्स रिकॉर्ड बनाया।
· उन्होंने मई में आयोजित 2025 खेलों के दौरान 15.66 मीटर की छलांग लगाई।
· उनके प्रदर्शन ने भारतीय युवा एथलेटिक्स में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिह्नित किया।
Information Booster:
· खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्देश्य युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें निखारना है।
· खेलो इंडिया आयोजनों में एथलेटिक्स एक प्रमुख पदक-योगदान देने वाला खेल है।
· रिकॉर्ड प्रदर्शन अक्सर राष्ट्रीय स्तर के चयन के मार्ग के रूप में कार्य करते हैं।
Additional Knowledge:
· ट्रिपल जंप में तीन चरण होते हैं: हॉप, स्टेप और जंप।
· यूथ गेम्स के प्रदर्शनों की निगरानी भविष्य के प्रशिक्षण और विकास के लिए राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा की जाती है।

Q.10 यूनियन बजट 2026-27 में की गई घोषणा के अनुसार, नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 किस तारीख से लागू होने का प्रस्ताव है?

A. 1 अप्रैल 2025
B. 1 जुलाई 2025
C. 1 अप्रैल 2026
D. 1 जनवरी 2027

Answer: C

Sol: सही उत्तर है (c) 1 अप्रैल 2026
स्पष्टीकरण:
. नया आयकर अधिनियम, 2025 अप्रैल 2026 से लागू होने का प्रस्ताव है।
. इसका मकसद मौजूदा आयकर अधिनियम को आसान बनाना है।
. आसान नियम और नए डिज़ाइन किए गए फ़ॉर्म जल्द ही नोटिफ़ाई किए जाएंगे।
. इसका मकसद आम टैक्सपेयर्स के लिए आसान कंप्लायंस है।
जानकारी बूस्टर:
. ICDS पर आधारित अलग-अलग अकाउंटिंग ज़रूरतों को टैक्स वर्ष 2027-28 से हटा दिया जाएगा।
. यह सुधार जीवन जीने में आसानी और व्यापार करने में आसानी को सपोर्ट करता है।

Adda247
GET IT ON Google Play

Q.1 उस विकल्प आकृति को पहचानिए जो निम्नलिखित श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर आकर श्रृंखला को तार्किक रूप से पूरा कर सकती है?

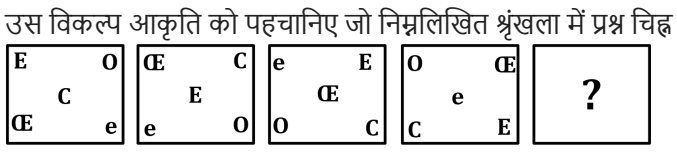

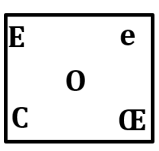

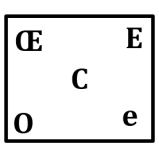

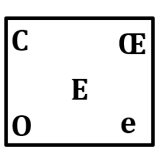

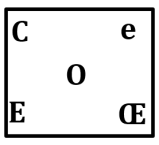

A.

B.

C.

D.

Answer: D

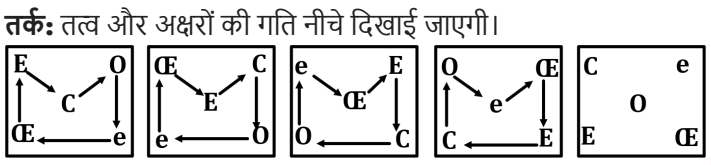

Sol: **तर्क:** तत्व और अक्षरों की गति नीचे दिखाई जाएगी।

इस प्रकार, सही विकल्प (D) है।

Q.2 A, B, C, D, E, F और G एक गोलाकार मेज के चारों ओर केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं। G के दाईं ओर से गणना करने पर G और E के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है। E और B के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है। G और F के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है। C और B के बीच केवल दो व्यक्ति बैठे हैं। D और F के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है। D के दाईं ओर से गणना करने पर A और D के बीच कितने व्यक्ति बैठे हैं?

A. एक
B. तीन
C. चार
D. दो

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**

A, B, C, D, E, F और G एक गोलाकार मेज के चारों ओर केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं।
G के दाईं ओर से गणना करने पर G और E के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है।
E और B के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है।
G और F के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है।
C और B के बीच केवल दो व्यक्ति बैठे हैं।
D और F के बीच केवल एक व्यक्ति बैठा है।

दी गई जानकारी के अनुसार बैठने की व्यवस्था इस प्रकार होगी:

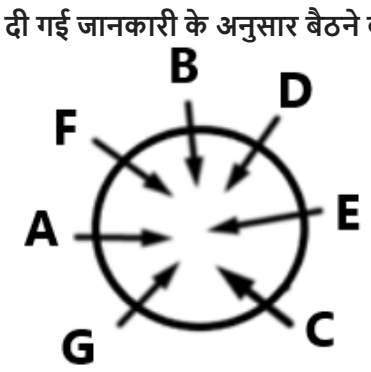

अतः, D के दाईं ओर से गणना करने पर A और D के बीच **दो (2)** व्यक्ति बैठे हैं।
इस प्रकार, सही विकल्प है: (d)

Q.3 उस विकल्प का चयन करें जो तीसरी छवि से उसी आधार पर संबंधित है जैसे दूसरी छवि पहली छवि से संबंधित है।

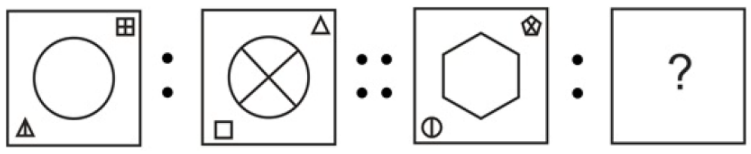

A.

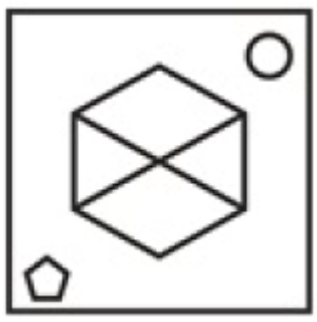

B.

C.

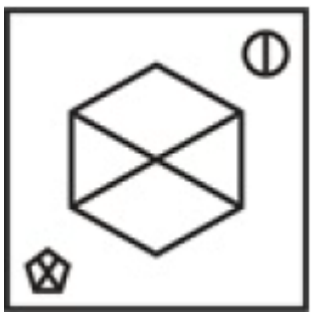

D.

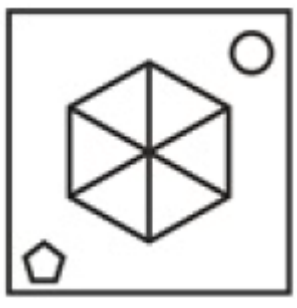

Answer: A

Sol: **तर्क:** पहली आकृति से दूसरी तक, मुख्य आकार वही रहता है, लेकिन इसके अंदर दो विकर्ण रेखाएँ जोड़ी जाती हैं, और छोटे कोने के प्रतीक अपनी स्थिति बदलते हैं।
तीसरी आकृति पर समान तर्क लागू करने पर:
षट्भुज वही रहता है, षट्भुज के अंदर दो विकर्ण रेखाएँ जोड़ी जाती हैं, और छोटे कोने के प्रतीक अपनी स्थिति बदलते हैं।

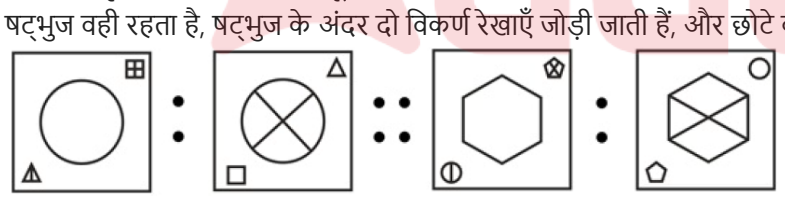

इस प्रकार, सही विकल्प (a) है।

Q.4 एक व्यक्ति कहता है, "मेरी माँ के पिता का एकमात्र पुत्र मेरा ____ है।"

A. मामा
B. पिता
C. भाई
D. कजिन

Answer: A

Sol: **दिया गया है**: एक व्यक्ति कहता है, "मेरी माँ के पिता का एकमात्र पुत्र मेरा ____ है।"

Symbol in Diagram	Meaning
- / O	Female
+/□	Male
═	Married Couple
—	Siblings
|	Difference Of Generation

दी गई जानकारी के आधार पर रक्त संबंध आरेख इस प्रकार होगा।

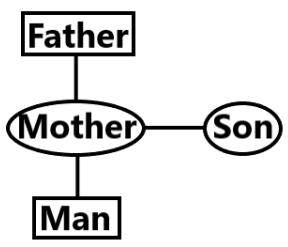

अतः, पुत्र मेरा **मामा** है।
इस प्रकार, सही विकल्प (a) है।

Q.5 सात व्यक्ति, A, B, L, M, N, S, और T एक पंक्ति में उत्तर की ओर मुख करके बैठे हैं। A और S के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं। M, S के ठीक बाईं ओर बैठा है। T के दाईं ओर कोई नहीं बैठा है। T और M के बीच केवल दो व्यक्ति बैठे हैं। N, L के ठीक दाईं ओर बैठा है। B और N के बीच कितने व्यक्ति बैठे हैं?

A. एक
B. दो
C. चार
D. तीन

Answer: B

Sol: **दिया है:** सात व्यक्ति, A, B, L, M, N, S, और T एक पंक्ति में उत्तर की ओर मुख करके बैठे हैं।
A और S के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं।
M, S के ठीक बाईं ओर बैठा है।
T के दाईं ओर कोई नहीं बैठा है।
T और M के बीच केवल दो व्यक्ति बैठे हैं।
N, L के ठीक दाईं ओर बैठा है।
दी गई जानकारी के अनुसार बैठने की व्यवस्था होगी;

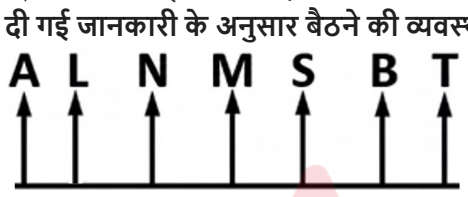

B और N के बीच **दो** व्यक्ति बैठे हैं।
अतः, सही विकल्प (b) है।

Q.6 निम्नलिखित आकृति का दर्पण प्रतिबिंब चुनें:

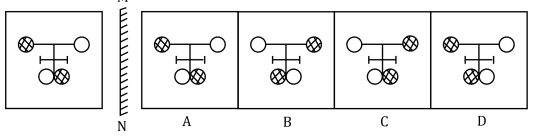

A. B
B. D
C. C
D. A

Answer: A

Sol: दी गई आकृति का दर्पण प्रतिबिंब नीचे दर्शाया गया है।

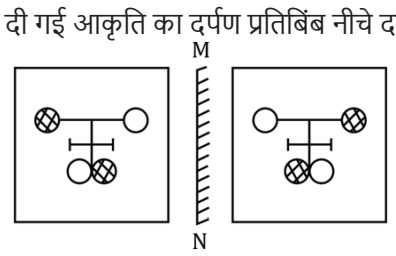

इस प्रकार, सही विकल्प है: (A)

Q.7 सात बक्से **A, B, C, D, E, F** और **G** एक के ऊपर एक रखे गए हैं लेकिन जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हों। **C** और **E** के बीच केवल दो बक्से रखे गए हैं। केवल **A** को **B** के ऊपर रखा गया है। **E** के नीचे कोई बक्सा नहीं रखा गया है। **F** को **D** के नीचे किसी स्थान पर लेकिन **G** के ऊपर किसी स्थान पर रखा गया है। **A** और **G** के बीच कितने बक्से रखे गए हैं?

A. 4
B. 3
C. 1
D. 2

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**
सात बक्से A, B, C, D, E, F और G एक के ऊपर एक रखे गए हैं लेकिन जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हों।
C और E के बीच केवल दो बक्से रखे गए हैं।
केवल A को B के ऊपर रखा गया है।
E के नीचे कोई बक्सा नहीं रखा गया है।
F को D के नीचे किसी स्थान पर लेकिन G के ऊपर किसी स्थान पर रखा गया है।
दी गई जानकारी से व्यवस्था इस प्रकार होगी:

स्थान (नीचे से ऊपर)	बक्सा
1	A
2	B
3	D
4	F
5	C
6	G
7	E

अतः, A और G के बीच **4 बक्से** हैं।
इस प्रकार, सही विकल्प है: (a)

Q.8 श्रृंखला में लुप्त पद ज्ञात कीजिए।
Z, V, R, N, ?

A. J
B. K
C. L
D. M

Answer: A

Sol: **दिया गया है**: Z, V, R, N, ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

तर्क: अक्षर - 4 स्थान घट रहे हैं।
Z - 4 = V
V - 4 = R
R - 4 = N
N - 4 = J
अतः, लुप्त पद **J** है।
अतः, सही विकल्प (a) है।

Q.9 एक निश्चित कूट भाषा में,
'A + B' का अर्थ है 'A, B की माता है',
'A – B' का अर्थ है 'A, B का भाई है',
'A × B' का अर्थ है 'A, B की पत्नी है' और
'A ÷ B' का अर्थ है 'A, B का पिता है'।
उपरोक्त के आधार पर, यदि 'M – N × O ÷ P + Q' है, तो M का Q से क्या संबंध है?

A. माता की माता का भाई
B. पिता का भाई
C. माता का पिता
D. पिता का पिता

Answer: A

Sol: दिया गया है:

A का

प्रतीक + - × ÷

संबंध माताभाईपत्नीपिता

B से

Symbol in Diagram	Meaning
- / 0	Female
+/ □	Male
=	Married Couple
—	Siblings
|	Difference Of Generation

व्यंजक: यदि 'M – N × O ÷ P + Q'?

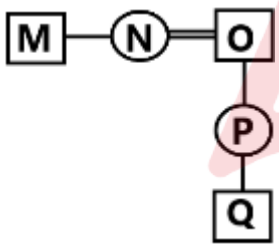

M, Q का **माता की माता का भाई** है।
इस प्रकार, सही विकल्प (a) है।

Q.10 पाँच छात्र **A, B, C, D** और **E** पाँच अलग-अलग स्कूलों **S1, S2, S3, S4,** और **S5** में जाते हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में)। प्रत्येक को एक अलग विषय भी पसंद है, जैसे **D1, D2, D3, D4** और **D5** (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में)। **A, S5** में जाता है, लेकिन उसे **D3** पसंद नहीं है। **C** को **D4** पसंद है। वह व्यक्ति जो **S1** में जाता है, उसे **D5** पसंद है। **D, S3** में जाता है, **E** को **D5** पसंद नहीं है। वह व्यक्ति जो **S2** में जाता है, उसे **D1** पसंद है। निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
I. B को **D5** पसंद है।
II. C, S4 में जाता है।

A. केवल II
B. I और II दोनों
C. न तो I और न ही II
D. केवल I

Answer: B

Sol: दिया गया है:
पाँच छात्र A, B, C, D और E पाँच अलग-अलग स्कूलों S1, S2, S3, S4, और S5 में जाते हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में)।
प्रत्येक को एक अलग विषय भी पसंद है, जैसे D1, D2, D3, D4 और D5 (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में)।
A, S5 में जाता है, लेकिन उसे D3 पसंद नहीं है।

C को D4 पसंद है। वह व्यक्ति जो S1 में जाता है, उसे D5 पसंद है। D, S3 में जाता है, E को D5 पसंद नहीं है। वह व्यक्ति जो S2 में जाता है, उसे D1 पसंद है।
दी गई जानकारी से व्यवस्था इस प्रकार होगी:

छात्र	स्कूल	विषय
A	S5	D2
B	S1	**D5**
C	S4	**D4**
D	S3	D3
E	S2	D1

B को D5 पसंद है → **सत्य**
C, S4 में जाता है → **सत्य**
अतः, **I और II दोनों सही हैं।**
इस प्रकार, सही विकल्प है: (b)

Q.1 एक आयत के परिमाप और लंबाई के बीच का अनुपात **3 : 1** है। यदि आयत का क्षेत्रफल **180.5** सेमी² है, तो आयत की चौड़ाई क्या है?

A. 38 सेमी
B. 21 सेमी
C. 19 सेमी
D. 9.5 सेमी

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**
परिमाप : लंबाई = 3 : 1.
क्षेत्रफल = 180.5 सेमी².
हल:
[Image of a rectangle with labels for length and breadth] $\frac{2(L+B)}{L} = \frac{3}{1}$
2L + 2B = 3L ➔ L = 2B.
क्षेत्रफल = $L \times B = 2B \times B = 2B^2$.
$2B^2 = 180.5$
$B^2 = 90.25$
B = $\sqrt{90.25} = 9.5$ cm
अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (d) है

Q.2 पाइप **A** एक टैंक को **16** घंटों में भर सकता है, पाइप **B** उसी टैंक को **21** घंटों में भर सकता है और पाइप **C** उसी टैंक को **15** घंटों में भर सकता है। यदि वे एक साथ कार्य करते हैं, तो उसी टैंक को भरने में उनके द्वारा लिया गया समय है:

A. $7\frac{65}{99}$ घंटे
B. $5\frac{65}{99}$ घंटे
C. $8\frac{65}{99}$ घंटे
D. $6\frac{65}{99}$ घंटे

Answer: B

Sol: **दिया गया है**
पाइप A = 16 घंटे
पाइप B = 21 घंटे
पाइप C = 15 घंटे
प्रयुक्त सूत्र
दर = $\frac{Work}{Time}$
हल
कुल कार्य (16, 21, 15 का LCM) = 1680 इकाई
A की कार्यक्षमता = $\frac{1680}{16}$ = 105 इकाई/घंटा
B की कार्यक्षमता = $\frac{1680}{21}$ = 80 इकाई/घंटा

C की कार्यक्षमता = $\frac{1680}{15}$ = 112 इकाई/घंटा
कुल कार्यक्षमता = 105 + 80 + 112 = 297 इकाई/घंटा
समय = $\frac{1680}{297} = \frac{560}{99}$ घंटे

समय = $5\frac{65}{99}$ घंटे

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (b) है

Q.3 $2^2 + \sqrt{10^2} - 9\sqrt{16} - 17$ का मान है

A. −39
B. −48
C. −36
D. −31

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
व्यंजक: $2^2 + \sqrt{10^2} - 9\sqrt{16} - 17$

हल
प्रत्येक पद का मान ज्ञात कीजिए:
1. $2^2 = 4$
2. $\sqrt{10^2} = 10$
3. $\sqrt{16} = 4, so 9\sqrt{16} = 9 \times 4 = 36$

व्यंजक में वापस प्रतिस्थापित करने पर:
4 + 10 - 36 - 17
= 14 - 36 - 17
= 14 - 53
= -39

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (a) है

Q.4 A दो दिए गए स्टेशनों के बीच 17 दिनों में रेलवे ट्रैक बिछा सकता है और B उसी काम को 12 दिनों में कर सकता है। C की मदद से, उन्होंने यह काम केवल 3 दिनों में पूरा कर लिया। तो, C अकेला उस काम को कर सकता है

A. $6\frac{3}{13}$ दिन
B. $7\frac{3}{13}$ दिन
C. $5\frac{3}{13}$ दिन
D. $12\frac{3}{13}$ दिन

Answer: C

Sol: **दिया गया है**
A द्वारा लिया गया समय = 17 दिन
B द्वारा लिया गया समय = 12 दिन
(A + B + C) द्वारा लिया गया समय = 3 दिन

प्रयुक्त सूत्र

$$\frac{1}{A} + \frac{1}{B} + \frac{1}{C} = \frac{1}{\text{कुलसमय}}$$

हल
माना C अकेले C दिन लेता है।

$$\frac{1}{17} + \frac{1}{12} + \frac{1}{C} = \frac{1}{3}$$

$$\frac{1}{C} = \frac{1}{3} - (\frac{1}{17} + \frac{1}{12})$$

$$\frac{1}{C} = \frac{1}{3} - (\frac{12 + 17}{17 \times 12})$$

$$\frac{1}{C} = \frac{1}{3} - \frac{29}{204}$$

3 और 204 का ल.स.प. 204 है।

$$\frac{1}{C} = \frac{68 - 29}{204}$$

$$\frac{1}{C} = \frac{39}{204}$$

3 से भाग देकर सरल करने पर:
$\frac{1}{C} = \frac{13}{68}$
$C = \frac{68}{13} days$

मिश्रित भिन्न में बदलने पर:
C = $5\frac{3}{13}$ दिन

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (c) है

Q.5 52 किमी की दूरी तय करने में, अनमोल को निखिल से 6 घंटे अधिक लगते हैं। यदि अनमोल अपनी गति दोगुनी कर देता है, तो उसे निखिल से 7 घंटे कम लगेंगे। अनमोल की गति है:

A. 4 किमी/घंटा
B. 6 किमी/घंटा
C. 2 किमी/घंटा
D. 7 किमी/घंटा

Answer: C

Sol: **दिया गया है**
दूरी = 52 किमी
अनमोल को निखिल से 6 घंटे अधिक लगते हैं।
यदि अनमोल अपनी गति दोगुनी कर देता है, तो उसे निखिल से 7 घंटे कम लगते हैं।

प्रयुक्त सूत्र
$\text{समय} = \frac{\text{दूरी}}{\text{गति}}$
हल
माना अनमोल की गति A और निखिल की गति N है।
माना निखिल का समय t है।
अनमोल का प्रारंभिक समय = t + 6
अनमोल का नया समय (2A गति पर) = t - 7

अनमोल की गति का अनुपात = 1 : 2
अनमोल के समय का अनुपात = 2 : 1

समय में अंतर = (t + 6) - (t - 7) = 13 घंटे।
अनुपात के संदर्भ में, अंतर = 2 इकाई - 1 इकाई = 1 इकाई।
इसलिए, 1 इकाई = 13 घंटे।

अनमोल का प्रारंभिक समय (2 इकाई) = 13 \times 2 = 26 घंटे।
अनमोल की गति = $\frac{\text{दूरी}}{\text{समय}} = \frac{52}{26} = 2 \text{ किमी/घंटा.}$

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (c) है

Q.6 यदि 6-अंकीय संख्या **N36M77, 11** से विभाज्य है, तो नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा **M** और **N** के बीच एक संभावित सही संबंध दे सकता है?

A. M + N = –3
B. M – N = 3
C. M – N = 1
D. M = N

Answer: B

Sol: **दिया गया है**
संख्या: N36M77
भाजक: 11

प्रयुक्त सूत्र
11 का विभाज्यता नियम: विषम स्थानों के अंकों के योग और सम स्थानों के अंकों के योग के बीच का अंतर 0 या 11 का गुणज होना चाहिए।

समाधान
संख्या: N 3 6 M 7 7
विषम स्थानों का योग (दाएं से): O = 7 + M + 3 = M + 10
सम स्थानों का योग (दाएं से): E = 7 + 6 + N = N + 13

अंतर (D) = O - E
D = (M + 10) - (N + 13)
D = M - N - 3

विभाज्यता के लिए, D का मान 0, 11, -11, आदि होना चाहिए।
स्थिति 1: M - N - 3 = 0 => M - N = 3
स्थिति 2: M - N - 3 = 11=> M - N = 14 (एकल अंकों के लिए संभव नहीं है)
स्थिति 3: M - N - 3 = -11 => M - N = -8

विकल्पों के साथ तुलना करने पर, M - N = 3 सही संबंध है।

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (b) है

Q.7 ₹86 में 86 लाइट बल्ब खरीदे गए, और पारगमन में 14 लाइट बल्ब टूट गए। व्यापारी ने शेष लाइट बल्बों को ₹3.20 प्रति बल्ब की दर से बेच दिया। उसका लाभ ज्ञात कीजिए।

A. ₹144.40
B. ₹141.30
C. ₹137.10
D. ₹141.10

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
86 बल्बों का क्रय मूल्य (CP) = ₹86
टूटे हुए बल्ब = 14
शेष बल्ब = 86 - 14 = 72
प्रति बल्ब विक्रय मूल्य (SP) = ₹3.20

प्रयुक्त सूत्र
कुल SP = मात्रा× दर
लाभ = कुल SP - कुल CP

हल
कुल SP = 72×3.20
कुल SP = 230.40

लाभ = 230.40 - 86.00
लाभ = 144.40

अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (a) है

Q.8 एक बल्लेबाज द्वारा 23 मैचों में बनाए गए औसत रन 44 हैं। अगले 10 मैचों में, बल्लेबाज ने औसत 13 रन बनाए। सभी 33 मैचों में उसका औसत (दो दशमलव स्थानों तक पूर्णांकित) ज्ञात कीजिए?

A. 35.61
B. 34.61
C. 33.61
D. 36.61

Answer: B

Sol: **दिया गया है:**
23 मैच, औसत = 44.
10 मैच, औसत = 13.
हल:
23 मैचों में कुल रन = $23 \times 44 = 1012$
अगले 10 मैचों में कुल रन = $10 \times 13 = 130$
कुल रन = 1012 + 130 = 1142.
कुल मैच = 23 + 10 = 33.
नया औसत = $\frac{1142}{33} \approx 34.606...$
दो दशमलव स्थानों तक पूर्णांकित: 34.61
अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (b) है

Q.9 एक आयताकार प्रिज्म (घनाभ) की भुजाओं का अनुपात 1:2:3 है। यदि प्रिज्म का आयतन 384 cm^3 है, तो इसकी सबसे लंबी भुजा की लंबाई क्या है?

A. 8 cm
B. 16 cm
C. 12 cm
D. 24 cm

Answer: C

Sol: **दिया गया है:**
अनुपात = 1:2:3, आयतन = 384 cm^3.
प्रयुक्त अवधारणा:
घनाभ का आयतन = $l \times b \times h$
प्रयुक्त सूत्र:
V = (x)(2x)(3x)
$6x^3 = 384 => x^3 = 64 => x = 4.$
सबसे लंबी भुजा = 3x = 12 cm.
अतः सही उत्तर (c) है।

Q.10 मान ज्ञात करें: $(\frac{15625}{49})^{-\frac{3}{2}} \times (\frac{5}{7})^6 \div \sqrt[4]{(625)^{-3}}$

A. 1/350
B. 1/338
C. 1/125
D. 1/343

Answer: D

Sol: **दिया गया है**
व्यंजक: $(\frac{15625}{49})^{-\frac{3}{2}} \times (\frac{5}{7})^6 \div \sqrt[4]{(625)^{-3}}$

प्रयुक्त सूत्र:
$(a^m)^n = a^{mn}$

$a^{-n} = \frac{1}{a^n}$

हल
$\frac{15625}{49} = \frac{5^6}{7^2}$

$(\frac{5^6}{7^2})^{-\frac{3}{2}} = (\frac{7^2}{5^6})^{\frac{3}{2}} = \frac{7^{2\times1.5}}{5^{6\times1.5}} = \frac{7^3}{5^9}$
$\sqrt[4]{(625)^{-3}} = ((5^4)^{-3})^{\frac{1}{4}} = (5^{-12})^{\frac{1}{4}} = 5^{-3} = \frac{1}{5^3}$

$\frac{7^3}{5^9} \times \frac{5^6}{7^6} \div \frac{1}{5^3}$

$= \frac{7^3}{5^9} \times \frac{5^6}{7^6} \times 5^3$

5 और 7 की घात को ग्रुप करना:
5 की घात: $-9 + 6 + 3 = 0 \implies 5^0 = 1$
7 की घात: $3 - 6 = -3 \implies 7^{-3} = \frac{1}{7^3}$
Result = $\frac{1}{343}$
अंतिम उत्तर:
तो सही जवाब है (d)

Q.1 दिए गए वाक्य में उचित क्रिया का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
सभी विद्यार्थी कक्षा में_____ हैं।

A. बैठे हुआ
B. बैठ गए
C. बैठ चुकी
D. बैठा गया

Answer: B

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (B) है - बैठे हुए**
व्याख्या:
वाक्य में "सभी विद्यार्थी कक्षा में _____ हैं" के संदर्भ में **"बैठे हुए"** शब्द का प्रयोग उपयुक्त है। यहां पर **"बैठे हुए"** एक क्रिया विशेषण (adjective) के रूप में प्रयोग हो रहा है जो यह बताता है कि विद्यार्थी कक्षा में बैठे हुए हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
A - बैठे हुआ	"बैठे हुआ" की वर्तनी गलत है। "बैठे हुए" सही है क्योंकि "हुआ" का प्रयोग एकवचन के लिए होता है।
B - बैठे हुए	यह सही विकल्प है क्योंकि "बैठे हुए" का प्रयोग सभी विद्यार्थियों के संदर्भ में उपयुक्त है।
C - बैठ चुकी	"बैठ चुकी" का प्रयोग स्त्रीलिंग के लिए किया जाता है, जो यहाँ सही नहीं है।
D - बैठा गया	"बैठा गया" का प्रयोग इस वाक्य में गलत है क्योंकि यह एक व्यक्ति के लिए उपयुक्त होता है, सभी विद्यार्थियों के लिए नहीं।

Q.2 दिए गए वाक्य में उचित कारक का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
अध्यापक _____ उसने जब पहली बार डांट सुनी तो वह रोने लगी।

A. से
B. ने
C. में
D. को

Answer: A

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (A)**
व्याख्या:
वाक्य "अध्यापक _____से __ उसने जब पहली बार डांट सुनी तो वह रोने लगी।" में रिक्त स्थान पर साधन या कारण व्यक्त करने वाला कारक आएगा। हिन्दी में **से** कारक साधन या कारण को दर्शाने के लिए प्रयुक्त होता है। अतः सही वाक्य होगा:
"अध्यापक **से** उसने जब पहली बार डांट सुनी तो वह रोने लगी।"

Q.3 निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो कोष्ठक में दिए गए शब्द के अनुसार विशेषण के भेद वाला विकल्प हो।
"थाली में (बहुत) खाना बचा है।"

A. अनिश्चित परिमाणवाचक
B. निश्चित संख्यावाचक
C. निश्चित परिमाणवाचक
D. अनिश्चित संख्यावाचक

Answer: A

Sol:
सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या: 'खाना' को मापा या तोला जाता है (परिमाण), और 'बहुत' शब्द से इसकी कोई निश्चित मात्रा पता नहीं चलती, अतः यह अनिश्चित परिमाणवाचक है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) अनिश्चित परिमाणवाचक: (सही उत्तर) जहाँ वस्तु की माप-तौल निश्चित न हो।

(B) निश्चित संख्यावाचक: जहाँ गिनती निश्चित हो (जैसे- दो केले)।

(C) निश्चित परिमाणवाचक: जहाँ माप निश्चित हो (जैसे- दो किलो चीनी)।

(D) अनिश्चित संख्यावाचक: जहाँ गिनती निश्चित न हो (जैसे- कुछ लोग)।

Q.4 निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दी गई मुहावरे का सही अर्थ वाला विकल्प है।
और का और होना

A. धोखा खाना
B. विशिष्ट परिवर्तन होना
C. सावधान होना
D. भयभीत होना

Answer: B

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (B)
व्याख्या: 'और का और होना' मुहावरे का अर्थ है कि किसी स्थिति या व्यक्ति में पूर्ण रूप से ऐसा बदलाव आ जाना कि वह पहले जैसा न लगे।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) धोखा खाना का अर्थ 'झांसे में आना' है।

(B) सही उत्तर: पूरी तरह से बदल जाना (विशिष्ट परिवर्तन)।

(C) सावधान होना 'कान खड़े होना' है।

(D) भयभीत होना 'हाथ-पाँव फूलना' है।

Q.5 'पुत्र' शब्द का पर्यायवाची नहीं है:

A. उत्पल
B. सुत
C. तनय
D. आत्मज

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या:
'उत्पल' का अर्थ 'कमल' होता है। पुत्र के पर्यायवाची सुत, तनय, आत्मज, नंदन, बेटा आदि हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प अर्थ निष्कर्ष

(A) उत्पल = कमल (जैसे- नीलकमल)सही उत्तर (पर्याय नहीं है)

(B) सुत = पुत्र पर्यायवाची

(C) तनय = पुत्र पर्यायवाची

(D) आत्मज = पुत्र (स्वयं से उत्पन्न) पर्यायवाची

Q.6 निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विलोम शब्द का सबसे अच्छा विकल्प है।
खेद

A. प्रेम
B. याचक
C. प्रसन्नता
D. निंदा

Answer: C

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (C)
व्याख्या:
'खेद' का अर्थ दुख या पछतावा होता है। इसका विपरीत भाव प्रकट करने वाला शब्द 'प्रसन्नता' (खुशी) है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) प्रेम: घृणा का विलोम है।

(B) याचक: दाता का विलोम है।

(C) प्रसन्नता: (सही उत्तर) खेद या शोक का विलोम।

(D) निंदा: स्तुति का विलोम है

Q.7 धार्मिक क्षेत्र में निम्नलिखित में से किसके बीच समन्वय प्रसिद्ध है?
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्न का सटीक उत्तर दीजिए :
भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसके मूल रूप में स्थित समन्वय की भावना है। उसकी यह विशेषता इतनी प्रमुख तथा मार्मिक है कि केवल इसी के बल पर संसार के अन्य साहित्यों के सामने वह अपनी मौलिकता की पताका फहरा सकता है। अपने स्वतंत्र अस्तित्व की सार्थकता प्रमाणित कर सकता है। जिस प्रकार धार्मिक क्षेत्र में भारत के ज्ञान, भक्ति, तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं ठीक उसी प्रकार साहित्य तथा अन्य कलाओं में भी भारतीय प्रकृति समन्वय की ओर रही है। साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, उत्थान-पतन, हर्ष विषाद आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक अलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है। साहित्य के किसी अंग को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा।

A. ज्ञान, कर्म और भक्ति
B. ज्ञान, कर्म और श्रद्धा
C. कर्म, भक्ति और श्रम
D. ज्ञान, कर्म और संगीत

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या: गद्यांश की चौथी पंक्ति में स्पष्ट लिखा है कि भारत के ज्ञान, भक्ति तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) सही उत्तर: गद्यांश में 'ज्ञान, भक्ति और कर्म' के त्रिवेणी समन्वय का स्पष्ट उल्लेख है।

(B) 'श्रद्धा' शब्द का प्रयोग गद्यांश में इस संदर्भ में नहीं हुआ है।

(C) 'श्रम' शब्द का उल्लेख गद्यांश के समन्वय तत्वों में नहीं है।

(D) 'संगीत' कला का हिस्सा है, धार्मिक समन्वय के मूल आधार का नहीं।

Q.8 निम्नलिखित में गद्यांश के संदर्भ में असंगत शब्द है:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्न का सटीक उत्तर दीजिए :
भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसके मूल रूप में स्थित समन्वय की भावना है। उसकी यह विशेषता इतनी प्रमुख तथा मार्मिक है कि केवल इसी के बल पर संसार के अन्य साहित्यों के सामने वह अपनी मौलिकता की पताका फहरा सकता है। अपने स्वतंत्र अस्तित्व की सार्थकता प्रमाणित कर सकता है। जिस प्रकार धार्मिक क्षेत्र में भारत के ज्ञान, भक्ति, तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं ठीक उसी प्रकार साहित्य तथा अन्य कलाओं में भी भारतीय प्रकृति समन्वय की ओर रही है। साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, उत्थान-पतन, हर्ष विषाद आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक अलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है। साहित्य के किसी अंग को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा।

A. अज्ञानता
B. विशेषता
C. मौलिकता
D. सार्थकता

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या: गद्यांश भारतीय साहित्य के गौरव और उसकी 'विशेषता' पर आधारित है। 'अज्ञानता' शब्द गद्यांश की सकारात्मक विषय-वस्तु से मेल नहीं खाता।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) सही उत्तर: यह शब्द गद्यांश की मूल भावना (साहित्यिक श्रेष्ठता) के विपरीत है।

(B) गद्यांश में साहित्य की 'विशेषता' (समन्वय) की चर्चा की गई है।

(C) समन्वय के बल पर साहित्य अपनी 'मौलिकता' की पताका फहराता है।

(D) गद्यांश के अनुसार साहित्य अपने अस्तित्व की 'सार्थकता' प्रमाणित करता है।

Q.9 अपनी किस विशेषता के बल पर भारतीय साहित्य विश्व में अपनी पताका फहरा सकता है?
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्न का सटीक उत्तर दीजिए :
भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसके मूल रूप में स्थित समन्वय की भावना है। उसकी यह विशेषता इतनी प्रमुख तथा मार्मिक है कि केवल इसी के बल पर संसार के अन्य साहित्यों के सामने वह अपनी मौलिकता की पताका फहरा सकता है। अपने स्वतंत्र अस्तित्व की सार्थकता प्रमाणित कर सकता है। जिस प्रकार धार्मिक क्षेत्र में भारत के ज्ञान, भक्ति, तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं ठीक उसी प्रकार साहित्य तथा अन्य कलाओं में भी भारतीय प्रकृति समन्वय की ओर रही है। साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, उत्थान-पतन, हर्ष विषाद आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक अलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है। साहित्य के किसी अंग को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा।

A. मौलिकता
B. लौकिकता
C. समन्वय की भावना
D. अनेकता

Answer: C

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (C)
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार, 'समन्वय की भावना' ही वह शक्ति है जिससे भारतीय साहित्य विश्व में विशिष्ट स्थान पाता है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) 'मौलिकता' समन्वय का परिणाम है, मुख्य विशेषता 'समन्वय' है।

(B) 'लौकिकता' शब्द का प्रयोग गद्यांश में मुख्य आधार के रूप में नहीं है।

(C) सही उत्तर: गद्यांश इसे भारतीय साहित्य की "सबसे बड़ी विशेषता" कहता है।

(D) 'अनेकता' भारतीय समाज का लक्षण है, पर साहित्य का आधार 'समन्वय' है।

Q.10 निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म अलौकिक आनंद विलीन हो जाने पर भी साहित्यिक समन्वय को नहीं दर्शाता?
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर आधारित प्रश्न का सटीक उत्तर दीजिए :
भारतीय साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता उसके मूल रूप में स्थित समन्वय की भावना है। उसकी यह विशेषता इतनी प्रमुख तथा मार्मिक है कि केवल इसी के बल पर संसार के अन्य साहित्यों के सामने वह अपनी मौलिकता की पताका फहरा सकता है। अपने स्वतंत्र अस्तित्व की सार्थकता प्रमाणित कर सकता है। जिस प्रकार धार्मिक क्षेत्र में भारत के ज्ञान, भक्ति, तथा कर्म के समन्वय प्रसिद्ध हैं ठीक उसी प्रकार साहित्य तथा अन्य कलाओं में भी भारतीय प्रकृति समन्वय की ओर रही है। साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, उत्थान-पतन, हर्ष विषाद आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक अलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है। साहित्य के किसी अंग को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा।

A. हानि लाभ
B. हर्ष विषाद
C. उत्थान पतन
D. सुख दुख

Answer: A

Sol:
सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या: गद्यांश में विरोधी भावों के रूप में सुख-दुख, उत्थान-पतन और हर्ष-विषाद का उल्लेख है। 'हानि-लाभ' का उल्लेख नहीं है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) सही उत्तर: यह शब्द युग्म गद्यांश की सूची में शामिल नहीं है।

(B) 'हर्ष-विषाद' गद्यांश में वर्णित विरोधी भावों का सही युग्म है।

(C) 'उत्थान-पतन' के समीकरण की चर्चा गद्यांश में की गई है।

(D) 'सुख-दुख' का समन्वय ही साहित्यिक आनंद का मूल है।

Q.1 **Choose the word opposite in meaning to the given word.**
WRATH

A. scorn
B. happiness
C. laughter
D. indifference

Answer: B

Sol: The correct antonym of the given word is (b) happiness.
Given word – Wrath:
Wrath means intense anger, rage, or strong displeasure.
(Hindi meaning: क्रोध, रोष)

Example: He shouted in wrath after hearing the news.

Correct answer word – Happiness:
Happiness means a state of joy, pleasure, or contentment. It is opposite to the negative emotion of intense anger.
(Hindi meaning: खुशी, प्रसन्नता)

Example: Her achievement brought happiness to the entire family.

Synonyms of Wrath: anger, rage, fury, indignation.

Antonyms of Wrath: happiness, joy, calmness, peace.

Meanings of all the other given options:

- **scorn** – तिरस्कार (negative feeling; opposite नहीं)
- **laughter** – हँसी (emotion का direct opposite नहीं; action/response है)
- **indifference** – उदासीनता (भावहीनता; wrath का exact opposite नहीं)

So the correct answer is (b)

Q.2 **Fill in the blank with correct preposition.**
Besides general merchandise, the shopkeeper deals _____ cosmetics too.

A. at
B. with
C. in
D. for

Answer: C

Sol: The correct option is (c).
Explanation: When "deal" means to trade in goods or sell a particular kind of product, we use the preposition "in." Therefore, "deals in cosmetics" is correct.

Correct answer word – in
Hindi meaning: में व्यापार करना (deal in = वस्तुओं/सामान का व्यापार करना)

Correct sentence:
Besides general merchandise, the shopkeeper deals **in** cosmetics too.

Example: They deal **in** garments and accessories.

Meanings of other options:

- **at** – पर (इस संदर्भ में गलत)

- **with** – के साथ/निपटना (deal with = समस्या/व्यक्ति से निपटना)
- **for** – के लिए (यहाँ गलत)

So the correct answer is (c)

Q.3 **Identify the correct tense form of the highlighted part in the given sentence.**
He had finished the task much earlier.

A. Present Tense
B. Past Perfect Continuous Tense
C. Past Perfect Tense
D. Past Tense

Answer: C

Sol: The correct option is (c) Past Perfect Tense.
Explanation: The highlighted part is "had finished." The structure **had + V3** represents Past Perfect Tense. It indicates that the action was completed before another point of time in the past. The phrase "much earlier" clearly signals completion before a past reference.

Step-by-step identification:

- Auxiliary verb: **had**
- Past participle (V3): **finished**
- Therefore: Past Perfect Tense

Grammatical rule (English): Past Perfect: had + V3 (used for an action completed before another past time/event).

व्याकरण नियम (Hindi): Past Perfect (भूतपूर्व पूर्ण) का ढांचा: had + verb की third form
यह दर्शाता है कि कोई कार्य past में किसी अन्य समय/कार्य से पहले पूरा हो चुका था।

Why other options are incorrect:

- (a) Present Tense: present forms do not use "had."
- (b) Past Perfect Continuous: would be had been + V1-ing (had been finishing), not "had finished."
- (d) Past Tense (Simple Past): would be "finished," not "had finished."

So the correct answer is (c)

Q.4 **Identify the part which contains an error.**
Our country / has given birth to / great revolutionaries, / isn't it?

A. Our country
B. has given birth to
C. great revolutionaries,
D. isn't it?

Answer: D

Sol: The error lies in option (d).
Explanation: The tag question is incorrect. The main statement is affirmative and uses the auxiliary verb "has" (has given birth to). In tag questions, we must use the same auxiliary verb as in the statement. Therefore, the correct tag is "hasn't it?" and not "isn't it?"

Correct sentence:
Our country has given birth to great revolutionaries, **hasn't it?**

Grammatical rule (English): Tag question rule:
1) Positive statement → Negative tag
2) Negative statement → Positive tag
3) The auxiliary verb in the tag must match the auxiliary in the statement (has/hasn't, is/isn't, do/don't, etc.).

व्याकरण नियम (Hindi): Tag question में मुख्य वाक्य का helping verb ही tag में आता है। Positive sentence के साथ negative tag लगाया जाता है। यहाँ "has" है, इसलिए "hasn't it?" होगा, "isn't it?" नहीं।

Explanation of other options:

- (a): “Our country” is a correct subject.
- (b): “has given birth to” is a correct verb phrase.
- (c): “great revolutionaries” is a correct object phrase.

So the correct answer is (d)

Q.5 **Identify the part of speech of the highlighted word.**
He has been working diligently on this project.

A. Adjective
B. Adverb
C. Verb
D. Noun

Answer: B

Sol: The correct option is (b) Adverb.
Explanation: The highlighted word “diligently” tells **how** he has been working. A word that modifies a verb (or verb phrase) and answers questions like how/when/where/to what extent is an adverb. Therefore, “diligently” is an adverb of manner.

Step-by-step reasoning:

- Main action: “has been working” (verb phrase).
- Word modifying the action: “diligently” (manner of working).
- Hence, it is an adverb.

Grammatical rule (English): An adverb modifies a verb/adjective/another adverb and often answers “how, when, where, how much.”

व्याकरण नियम (Hindi): जो शब्द क्रिया की विशेषता बताए (कैसे/किस प्रकार), वह क्रिया-विशेषण (Adverb) होता है।

Why other options are incorrect:

- (a) Adjective modifies a noun/pronoun; here it modifies a verb.
- (c) Verb is an action word; “diligently” is not an action, it describes the action.
- (d) Noun is a naming word; “diligently” is not a name of a person/place/thing/idea.

So the correct answer is (b)

Q.6 **Why is the writer sceptical about fairy tales?**
Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options:
You read history in books. But in old times, when man did not exist, surely no books could have been written. How then can we find out what happened then? We cannot merely sit down and imagine everything. This would be very interesting for we could imagine everything we wanted to and would thus make up the most beautiful fairy tales. But this need not be true as it would not be based on any facts that we had seen. But although we have no books written in those far-off days, fortunately we have some things which tell us a great deal as well, almost as a book would. We have rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals. These and other like things are our books for the earth’s early story. And the real way to understand this story is not merely to read about it in other people’s books but to go to the great Book of Nature itself. You will, I hope, soon begin to learn how to read this story from the rocks and mountains. Imagine how fascinating it is! Every little stone that you see lying on the road or on the mountain side may be a little page in nature’s book and may be able to tell you something if you only knew how to read it. To be able to read any language, Hindi or Urdu or English, you have to learn its alphabet. So also you must learn the alphabet of nature before you can read her story in her books of stone and rock. Even now perhaps you know a little how to read this.

A. Because they are soon forgotten.
B. Because they are not based on facts
C. Because they have short life
D. Because they are meant to be read by children.

Answer: B

Sol: The correct answer is (b) Because they are not based on facts.

Explanation: The author says that if we merely imagine what happened in ancient times, we could create "beautiful fairy tales," but such tales "need not be true" because they would not be based on facts that we have seen. Therefore, the writer is sceptical about fairy tales because they lack factual evidence.

Step-by-step reasoning:

- Fairy tales are created by imagination.
- Imagination can be interesting but does not guarantee truth.
- The author emphasizes that truth requires facts/evidence, which fairy tales do not provide.

Hindi Explanation:
लेखक fairy tales पर इसलिए संदेह करता है क्योंकि वे कल्पना पर आधारित होती हैं, तथ्यों/प्रमाणों पर नहीं। इसलिए वे "सुंदर" तो हो सकती हैं, पर "सच" होना जरूरी नहीं।

Why other options are incorrect:

- (a): "soon forgotten" passage में नहीं कहा गया।
- (c): "short life" passage में नहीं कहा गया।
- (d): "meant to be read by children" passage में नहीं कहा गया।

So the correct answer is (b)

Q.7 **How do we know about the earth's early story?**
Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options:
You read history in books. But in old times, when man did not exist, surely no books could have been written. How then can we find out what happened then? We cannot merely sit down and imagine everything. This would be very interesting for we could imagine everything we wanted to and would thus make up the most beautiful fairy tales. But this need not be true as it would not be based on any facts that we had seen. But although we have no books written in those far-off days, fortunately we have some things which tell us a great deal as well, almost as a book would. We have rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals. These and other like things are our books for the earth's early story. And the real way to understand this story is not merely to read about it in other people's books but to go to the great Book of Nature itself. You will, I hope, soon begin to learn how to read this story from the rocks and mountains. Imagine how fascinating it is! Every little stone that you see lying on the road or on the mountain side may be a little page in nature's book and may be able to tell you something if you only knew how to read it. To be able to read any language, Hindi or Urdu or English, you have to learn its alphabet. So also you must learn the alphabet of nature before you can read her story in her books of stone and rock. Even now perhaps you know a little how to read this.

A. From books
B. From fairy tales
C. From rocks, mountains and other sources
D. From history

Answer: C

Sol: The correct answer is (c) From rocks, mountains and other sources.
Explanation: The passage clearly states that although there were no books in those far-off days, we still have natural sources that tell us a great deal — "rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals." The author calls these "our books for the earth's early story." Hence, we know the earth's early story from these natural evidences.

Step-by-step reasoning:

- The author rejects imagination because it would create fairy tales not based on facts.
- He then provides an alternative: factual evidence from nature.
- He explicitly lists rocks, mountains, rivers, deserts, stars, seas, and fossils as the sources.

Why other options are incorrect:

- (a) From books: the passage begins by saying books could not exist in that era.
- (b) From fairy tales: fairy tales are mentioned as imaginative and not fact-based.
- (d) From history: history is normally read in books, but the passage focuses on nature as the record for early earth.

So the correct answer is (c)

Q.8 **Which figure of speech is used in the expression "the alphabet of nature"?**
Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options:
You read history in books. But in old times, when man did not exist, surely no books could have been written. How then can we find out what happened then? We cannot merely sit down and imagine everything. This would be very interesting for we could imagine everything we wanted to

Adda247 GET IT ON Google Play

and would thus make up the most beautiful fairy tales. But this need not be true as it would not be based on any facts that we had seen. But although we have no books written in those far-off days, fortunately we have some things which tell us a great deal as well, almost as a book would. We have rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals. These and other like things are our books for the earth's early story. And the real way to understand this story is not merely to read about it in other people's books but to go to the great Book of Nature itself. You will, I hope, soon begin to learn how to read this story from the rocks and mountains. Imagine how fascinating it is! Every little stone that you see lying on the road or on the mountain side may be a little page in nature's book and may be able to tell you something if you only knew how to read it. To be able to read any language, Hindi or Urdu or English, you have to learn its alphabet. So also you must learn the alphabet of nature before you can read her story in her books of stone and rock. Even now perhaps you know a little how to read this.

A. Paradox
B. Alliteration
C. Simile
D. Metaphor

Answer: D

Sol: The correct answer is (d) Metaphor.
Explanation: The expression "the alphabet of nature" is not literal. Nature does not actually have letters like a language. Here, "alphabet" symbolically means the basic signs, clues, and fundamental concepts that must be learned to understand nature's story (rocks, fossils, mountains, etc.). This is a direct comparison without using "like" or "as," which makes it a metaphor.

Step-by-step reasoning:

- The author says: to read any language, we must learn its alphabet.
- Similarly, to read nature's story, we must learn nature's "alphabet" (basic principles/evidence).
- Because "alphabet" is used figuratively to represent "basic elements of understanding," it is a metaphor.

Why other options are incorrect:

- (a) Paradox: requires a seemingly self-contradictory statement; not present here.
- (b) Alliteration: repetition of initial consonant sounds; not the focus here.
- (c) Simile: uses "like" or "as" for comparison; the phrase does not use these.

So the correct answer is (d)

Q.9 **Reading from the great Book of Nature could be …**
Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options:
You read history in books. But in old times, when man did not exist, surely no books could have been written. How then can we find out what happened then? We cannot merely sit down and imagine everything. This would be very interesting for we could imagine everything we wanted to and would thus make up the most beautiful fairy tales. But this need not be true as it would not be based on any facts that we had seen. But although we have no books written in those far-off days, fortunately we have some things which tell us a great deal as well, almost as a book would. We have rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals. These and other like things are our books for the earth's early story. And the real way to understand this story is not merely to read about it in other people's books but to go to the great Book of Nature itself. You will, I hope, soon begin to learn how to read this story from the rocks and mountains. Imagine how fascinating it is! Every little stone that you see lying on the road or on the mountain side may be a little page in nature's book and may be able to tell you something if you only knew how to read it. To be able to read any language, Hindi or Urdu or English, you have to learn its alphabet. So also you must learn the alphabet of nature before you can read her story in her books of stone and rock. Even now perhaps you know a little how to read this.

A. exhausting
B. fascinating
C. frustrating
D. meaningless

Answer: B

Sol: The correct answer is (b) fascinating.
Explanation: The passage directly describes reading nature's story as exciting and interesting. The author explicitly says, "Imagine how fascinating it is!" while encouraging the reader to learn to read the earth's story from rocks and mountains. Therefore, "fascinating" is the most appropriate choice.

Text-based support:

- The author encourages learning from the "great Book of Nature."
- He calls the experience fascinating and compares stones to pages in nature's book.

Why other options are incorrect:

- (a) exhausting: the passage does not suggest tiredness; it suggests curiosity and interest.
- (c) frustrating: the tone is positive and motivating, not discouraging.
- (d) meaningless: the passage insists nature can tell us "something," so it is meaningful.

Adda247 GET IT ON Google Play

So the correct answer is (b)

Q.10 . What is a 'fossil'?

Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options:
You read history in books. But in old times, when man did not exist, surely no books could have been written. How then can we find out what happened then? We cannot merely sit down and imagine everything. This would be very interesting for we could imagine everything we wanted to and would thus make up the most beautiful fairy tales. But this need not be true as it would not be based on any facts that we had seen. But although we have no books written in those far-off days, fortunately we have some things which tell us a great deal as well, almost as a book would. We have rocks and mountains and seas and stars and rivers and deserts and fossils of old animals. These and other like things are our books for the earth's early story. And the real way to understand this story is not merely to read about it in other people's books but to go to the great Book of Nature itself. You will, I hope, soon begin to learn how to read this story from the rocks and mountains. Imagine how fascinating it is! Every little stone that you see lying on the road or on the mountain side may be a little page in nature's book and may be able to tell you something if you only knew how to read it. To be able to read any language, Hindi or Urdu or English, you have to learn its alphabet. So also you must learn the alphabet of nature before you can read her story in her books of stone and rock. Even now perhaps you know a little how to read this.

A. remains of a living organism turned into rock
B. a corpse
C. a dying person
D. a chemical substance

Answer: A

Sol: The correct answer is (a) remains of a living organism turned into rock.
Explanation: The passage mentions "fossils of old animals" as part of the evidence available in nature. A fossil is the preserved remains, impression, or trace of a once-living organism that has become embedded and preserved in rock over a long period of time. Thus, option (a) correctly defines a fossil in an exam-appropriate manner.

Step-by-step reasoning:

- Fossils are used to learn about animals that lived long ago.
- They are preserved over time through natural processes and are found in rocks.
- Therefore, a fossil is not merely a dead body; it is preserved remains/trace in rock form.

Why other options are incorrect:

- (b) a corpse: a corpse is simply a dead body, not preserved in rock.
- (c) a dying person: incorrect meaning.
- (d) a chemical substance: unrelated to the meaning of fossil.

So the correct answer is (a)

Q.1 शिक्षण का "विश्लेषण से संश्लेषण" सूत्र किसमें सबसे प्रभावी है?

A. रटकर याद करना
B. समस्या समाधान
C. कहानी सुनाना
D. गायन

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) समस्या समाधान है।**

व्याख्या:

विश्लेषण का अर्थ है एक जटिल समस्या को समझने के लिए उसके छोटे, सरल भागों में तोड़ना। संश्लेषण का अर्थ है उन भागों को वापस जोड़कर एक पूरी नई समझ या समाधान बनाना। यह प्रक्रिया प्रभावी समस्या-समाधान का केंद्र है।

Information Booster:

· **विश्लेषणात्मक चरण:** गणित या विज्ञान में, एक छात्र पहले समस्या को इस आधार पर तोड़ता है कि क्या "दिया गया है," क्या "खोजना है," और कौन से सिद्धांत लागू होते हैं।
· **गहरी समझ:** भागों का अलग-अलग विश्लेषण करके, शिक्षार्थी को स्पष्टता प्राप्त होती है कि प्रत्येक घटक पूर्ण में कैसे योगदान देता है।
· **संश्लेषणात्मक चरण:** एक बार भागों को समझ लेने के बाद, छात्र अंतिम उत्तर या निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए उन्हें जोड़ता है।
· **मानसिक विकास:** यह सूत्र आलोचनात्मक सोच और जीवन में जटिल चुनौतियों से व्यवस्थित रूप से निपटने की क्षमता को बढ़ावा देता है।
· **तार्किक प्रगति:** यह छात्रों को एक समय में एक छोटे हिस्से को संभालना सिखाकर बड़े कार्यों से अभिभूत होने से रोकता है।

Additional Points:

· **रटकर याद करना:** इसमें सूचनाओं को बिना तोड़े या पुनर्गठित किए दोहराना शामिल है।
· **कहानी सुनाना:** आमतौर पर "मूर्त से अमूर्त" की ओर बढ़ती है या कालानुक्रमिक प्रवाह का उपयोग करती है, हालांकि साहित्यिक आलोचना के लिए विश्लेषण का उपयोग किया जा सकता है।
· **गायन:** तार्किक विश्लेषण और संश्लेषण के बजाय मुख्य रूप से नकल और श्रवण अभ्यास शामिल है।

Q.2 शिक्षा की "डाल्टन योजना" किसके द्वारा तैयार की गई थी?

A. मारिया मोंटेसरी
B. हेलेन पार्खर्स्ट
C. जॉन डीवी
D. फ्रेडरिक फ्रॉबेल

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) हेलेन पार्खर्स्ट है।**

व्याख्या:

डाल्टन योजना (1920) एक शैक्षिक अवधारणा है जहाँ कक्षा को एक "प्रयोगशाला" के रूप में माना जाता है। यह निश्चित समय सारिणी और औपचारिक व्याख्यानों को समाप्त करती है, जिससे छात्रों को "असाइनमेंट" या अनुबंधों पर स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति मिलती है।

Information Booster:

· **गति की स्वतंत्रता:** छात्र अपनी पसंद के विषयों पर अपनी गति से कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिससे आत्म-अनुशासन और समय प्रबंधन कौशल को बढ़ावा मिलता है।
· **असाइनमेंट:** कार्य को मासिक "अनुबंध" या असाइनमेंट में विभाजित किया जाता है, और छात्रों को अगले स्तर पर जाने से पहले एक को पूरा करना होता है।
· **विषय प्रयोगशालाएँ:** कक्षाओं को विशिष्ट विषयों (गणित प्रयोगशाला, इतिहास प्रयोगशाला) के लिए संसाधनों से लैस विशिष्ट प्रयोगशालाओं में बदल दिया जाता है।
· **सामाजिक अंतःक्रिया:** व्यक्तिगत रूप से कार्य करते समय, छात्रों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे सहकारी सामाजिक भावना को बढ़ावा मिलता है।
· **शिक्षक की भूमिका:** शिक्षक एक सलाहकार या विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य करता है जो छात्र को बाधा आने पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए लैब में उपलब्ध होता है।
· **ग्राफ रिकॉर्ड:** छात्र मासिक असाइनमेंट के माध्यम से अपनी प्रगति को ट्रैक करने के लिए अपने स्वयं के प्रगति चार्ट या ग्राफ बनाए रखते हैं।

Additional Points:

· **मारिया मोंटेसरी:** "मोंटेसरी विधि" के लिए जानी जाती हैं, जो तैयार वातावरण में "शिक्षाप्रद उपकरणों" के माध्यम से आत्म-शिक्षा पर जोर देती है।
· **जॉन डीवी:** "प्रयोगशाला स्कूल" और "प्रगतिशील शिक्षा" की अवधारणा के लिए जाने जाते हैं, जो लोकतंत्र और सामाजिक अनुभव पर केंद्रित है।
· **फ्रेडरिक फ्रॉबेल:** "किंडरगार्टन" प्रणाली के निर्माता, खेल-आधारित प्रारंभिक बचपन सीखने के लिए "उपहार" और "व्यवसाय" पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

Q.3 "उपचारात्मक शिक्षण" का प्राथमिक उद्देश्य है:

A. नया पाठ्यक्रम पढ़ाना
B. सीखने के अंतराल को ठीक करना
C. धीमी गति से सीखने वालों को दंडित करना
D. प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) सीखने के अंतराल को ठीक करना है।**

व्याख्या:

उपचारात्मक शिक्षण उन छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया एक निर्देशात्मक कार्यक्रम है जिनकी सीखने की कठिनाइयों की पहचान की गई है। यह "नैदानिक परीक्षण" के बाद किया जाता है और इसका उद्देश्य छात्र को उपलब्धि के अपेक्षित स्तर तक लाना है।

Information Booster:

· **नैदानिक कड़ी:** इसके पहले हमेशा नैदानिक परीक्षण किया जाता है जो छात्र के सीखने में विशिष्ट "कमजोर बिंदुओं" या त्रुटियों की पहचान करता है।
· **व्यक्तिगत ध्यान:** निर्देश छात्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जाते हैं, अक्सर प्रारंभिक शिक्षण की तुलना में विभिन्न तरीकों का उपयोग किया जाता है।
· **त्रुटि सुधार:** यह गलत धारणाओं को ठीक करने और उन अवधारणाओं को फिर से सिखाने पर ध्यान केंद्रित करता है जिन्हें छात्र नियमित कक्षाओं के दौरान समझने में विफल रहे थे।
· **आत्मविश्वास निर्माण:** छात्रों को बाधाओं को दूर करने में सहायता करके, यह स्कूल की चिंता को कम करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायता करता है।
· **छोटे समूह:** यह आमतौर पर छोटे समूहों या आमने-सामने की सेटिंग में आयोजित किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शिक्षक व्यक्तिगत बाधाओं पर ध्यान केंद्रित कर सके।
· **रचनात्मक प्रकृति:** यह व्यापक और सतत मूल्यांकन (CCE) ढांचे में रचनात्मक मूल्यांकन प्रक्रिया का एक निरंतर हिस्सा है।

Additional Points:

· **नया पाठ्यक्रम पढ़ाना:** यह नियमित कक्षा निर्देश या प्रतिभाशाली छात्रों के लिए "संवर्धन" का कार्य है, न कि उपचारात्मक शिक्षण का।
· **धीमी गति से सीखने वालों को दंडित करना:** आधुनिक शिक्षाशास्त्र दंड को अस्वीकार करता है; उपचारात्मक शिक्षण एक सहायक उपाय है, दंडात्मक नहीं।
· **प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना:** यह आमतौर पर बुनियादी उपचारात्मक सहायता के बजाय "कोचिंग" या "उन्नत प्रशिक्षण" का केंद्र होता है।

Q.4 "द्वितीयक समाजीकरण" के लिए प्राथमिक संस्था है:

A. परिवार
B. रिश्तेदार
C. पड़ोस
D. स्कूल

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(d) स्कूल है।**

व्याख्या:

समाजीकरण एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। प्राथमिक समाजीकरण बचपन के शुरुआती दिनों में परिवार में होता है। द्वितीयक समाजीकरण तब प्रारंभ होता है जब बच्चा घर से बाहर निकलकर स्कूल जैसी औपचारिक संस्थाओं में कदम रखता है, जहाँ वे व्यापक समाज में आवश्यक मूल्यों, मानदंडों और भूमिकाओं को सीखते हैं।

Information Booster:

· **साथियों के साथ अंतःक्रिया:** स्कूल बच्चों को अपने बराबर के एक बड़े समूह (साथियों) के साथ बातचीत करने का पहला बड़ा अवसर प्रदान करते हैं।
· **संस्थागत मानदंड:** बच्चे अपने परिवार के बाहर औपचारिक नियमों, समय सारिणी और अधिकार प्राप्त व्यक्तियों का पालन करना सीखते हैं।
· **सामाजिक कौशल:** यह सहयोग, प्रतिस्पर्धा और संघर्ष समाधान कौशल को बढ़ावा देता है जो वयस्कता के लिए आवश्यक हैं।
· **पहचान निर्माण:** द्वितीयक समाजीकरण में, बच्चे अपने माता-पिता से स्वतंत्र एक पहचान बनाना प्रारंभ करते हैं।
· **प्रच्छन्न पाठ्यक्रम:** स्कूल दैनिक दिनचर्या के माध्यम से समय की पाबंदी, अनुशासन और देशभक्ति जैसे सामाजिक मूल्यों को सिखाते हैं।

Additional Points:

· **परिवार:** समाजीकरण की प्राथमिक संस्था।
· **पड़ोस/रिश्तेदार:** आमतौर पर प्राथमिक या प्रारंभिक समाजीकरण का हिस्सा माने जाते हैं, हालांकि वे द्वितीयक स्तर तक की खाई को पाटते हैं।

Q.5 ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड किस नीति का परिणाम था?

A. NPE 1968
B. RTE 2009
C. NCF 2005
D. NPE 1986

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(d) NPE 1986 है।**

स्पष्टीकरण:

ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड 1987 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के बाद शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना थी। इसका उद्देश्य देश के सभी प्राथमिक स्कूलों को न्यूनतम आवश्यक भौतिक सुविधाएं प्रदान करना था।

Knowledge Booster:

· **न्यूनतम सुविधाएं:** इसने आदेश दिया कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में कम से कम दो उचित रूप से बड़े हर मौसम के अनुकूल कमरे और आवश्यक खिलौने और नक्शे होने चाहिए।

· **शिक्षक आवश्यकता:** इसने हर स्कूल में कम से कम दो शिक्षक होने पर जोर दिया, जिसमें कम से कम एक महिला शिक्षक होने को प्राथमिकता दी गई।

· **आवश्यक उपकरण:** स्कूलों को ब्लैकबोर्ड, चार्ट, एक पुस्तकालय और खेल एवं विज्ञान प्रयोगों के लिए छोटे उपकरण प्रदान किए गए।

· **प्राथमिक फोकस:** प्रारंभ में, यह योजना प्राथमिक विद्यालयों को लक्षित करती थी, लेकिन बाद में 1992 के नीति संशोधन के दौरान इसे उच्च प्राथमिक विद्यालयों तक बढ़ा दिया गया था।

· **गुणवत्ता सुधार:** कार्यक्रम ने स्कूल छोड़ने की दर (ड्रॉपआउट) को कम करने और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल के वातावरण को बेहतर बनाने की मांग की।

· **कार्यान्वयन:** यह योजना राज्य सरकारों द्वारा उपकरणों के लिए केंद्र सरकार से 100% वित्तीय सहायता के साथ कार्यान्वित की गई थी।

Additional Information:

· **NPE 1968:** पहली राष्ट्रीय नीति जिसने 14 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा पर जोर दिया लेकिन इसमें "ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड" शामिल नहीं था।

· **NCF 2005:** एक पाठ्यक्रम ढांचा जो भौतिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के बजाय अधिगम के लिए "रचनात्मक" दृष्टिकोण पर केंद्रित है।

· **RTE 2009:** एक विधायी अधिनियम जो शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बनाता है और पिछली योजनाओं की विरासत का अनुसरण करते हुए स्कूल सुविधाओं के लिए कानूनी मानदंड निर्धारित करता है।

Q.6 ICT में, "CAL" का पूर्ण रूप क्या है?

A. कंप्यूटर एडेड लर्निंग
B. चाइल्ड एडवांस्ड लिटरेसी
C. कैलकुलेटर असिस्टेड लॉजिक
D. करिकुलम एंड लर्निंग

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(a) कंप्यूटर एडेड लर्निंग है।**

व्याख्या:

कंप्यूटर एडेड लर्निंग (CAL) शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए कंप्यूटर और विशेष सॉफ्टवेयर के उपयोग को संदर्भित करता है। यह एक संवादात्मक मंच प्रदान करता है जहाँ छात्र सिमुलेशन, अभ्यास और मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी गति से सीख सकते हैं।

Information Booster:

· **स्व-गति से सीखना:** CAL छात्रों को उनकी व्यक्तिगत समझ के अनुसार मॉड्यूल के माध्यम से आगे बढ़ने की अनुमति देता है, जिससे व्यक्तिगत शिक्षा संभव होती है।

· **तत्काल फीडबैक:** अधिकांश CAL कार्यक्रम क्विज़ और गतिविधियों के लिए तत्काल परिणाम प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को त्रुटियों को तुरंत सुधारने में सहायता मिलती है।

· **मल्टीमीडिया एकीकरण:** यह जटिल अवधारणाओं को अधिक आकर्षक और कल्पना करने में आसान बनाने के लिए टेक्स्ट, ग्राफिक्स, ऑडियो और वीडियो के संयोजन का उपयोग करता है।

· **संवादात्मक सिमुलेशन:** छात्र विज्ञान में आभासी प्रयोग कर सकते हैं या ऐतिहासिक पुनर्निर्माण देख सकते हैं जो पारंपरिक सेटिंग में असंभव हैं।

· **उपचारात्मक सहायता:** CAL का उपयोग उन छात्रों के लिए अतिरिक्त अभ्यास प्रदान करने के लिए किया जा सकता है जो शेष कक्षा को धीमा किए बिना विशिष्ट अवधारणाओं के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

Q.7 "मध्याह्न भोजन योजना" मुख्य रूप से किसके सुधार के लिए शुरू की गई थी?

A. स्कूल का बुनियादी ढांचा
B. बच्चों का नामांकन और पोषण स्तर
C. शिक्षकों की उपस्थिति
D. खेल सुविधाएँ

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) बच्चों का नामांकन और पोषण स्तर है।**

व्याख्या:

मध्याह्न भोजन योजना (अब पीएम पोषण) को दो मुख्य मुद्दों को हल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था: कक्षा की भूख (कुपोषण) और स्कूलों में कम उपस्थिति। गर्म पका हुआ भोजन प्रदान करके, सरकार ने माता-पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया और यह सुनिश्चित किया कि बच्चों के पास सीखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा हो।

Information Booster:

· **ठहराव:** यह योजना बच्चों को स्कूल में बनाए रखने में सहायता करती है, विशेष रूप से आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि वाले बच्चों को।

· **सामाजिक एकीकरण:** सभी जातियों और धर्मों के बच्चे एक साथ बैठते हैं और एक ही भोजन करते हैं, जिससे सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिलता।

· **पोषण संबंधी मानक:** दिशा-निर्देश प्राथमिक और उच्च-प्राथमिक छात्रों के लिए न्यूनतम कैलोरी और प्रोटीन आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करते हैं।

· **सशक्तिकरण:** यह योजना अक्सर स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करती है जिन्हें रसोइया-सह-सहायक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

· **स्वास्थ्य निगरानी:** इसे अक्सर स्वास्थ्य जांच और आयरन और फोलिक एसिड (IFA) की गोलियों के वितरण के साथ जोड़ा जाता है।

Additional Points:

· **स्कूल का बुनियादी ढांचा:** हालांकि रसोई बनाई जाती हैं, प्राथमिक लक्ष्य बाल कल्याण और पोषण है, न कि सामान्य भवन निर्माण।

· **शिक्षकों की उपस्थिति:** इसकी निगरानी बायोमेट्रिक सिस्टम या प्रशासनिक लॉग के माध्यम से की जाती है, न कि छात्रों के भोजन के माध्यम से।

· **खेल सुविधाएँ:** इन्हें 'खेलो इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से सुधारा जाता है, न कि पोषण संबंधी भोजन कार्यक्रम के माध्यम से।

Q.8 "प्रयत्न और त्रुटि" सीखना सबसे निकट से किसके द्वारा बिल्लियों पर किए गए प्रयोगों से जुड़ा है:

A. पावलोव
B. स्किनर
C. थार्नडाइक
D. कोहलर

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(c) थार्नडाइक है।**

स्पष्टीकरण:

एडवर्ड ली थार्नडाइक ने प्रस्तावित किया कि सीखना आकस्मिक सफल प्रयास करने और धीरे-धीरे असफल प्रयासों को समाप्त करने से होता है। यह प्रक्रिया उद्दीपन और सही प्रतिक्रिया के बीच एक मजबूत बंधन बनाती है।

Knowledge Booster:

· **पजल बॉक्स प्रयोग:** थार्नडाइक ने भूखी बिल्लियों को बक्सों में रखा जहाँ उन्हें बाहर निकलने और भोजन तक पहुँचने के लिए एक लीवर खींचना पड़ता था, और उनके क्रमिक सुधार का अवलोकन किया।
· **प्रभाव का नियम:** उन्होंने कहा कि सुखद परिणामों वाले व्यवहारों के दोहराए जाने की संभावना अधिक होती है, जबकि अप्रिय परिणामों वाले व्यवहार कमजोर हो जाते हैं।
· **अभ्यास का नियम:** सीखना अभ्यास और दोहराव (उपयोग) के माध्यम से मजबूत होता है और अभ्यास बंद करने (अनुपयोग) पर कमजोर हो जाता है।
· **तत्परता का नियम:** सीखना तब सबसे प्रभावी होता है जब जीव शारीरिक और मानसिक रूप से कार्य करने और उसे निष्पादित करने के लिए तैयार होता है।
· **संयोजनवाद:** थार्नडाइक के सिद्धांत को संयोजनवाद के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह उद्दीपन और प्रतिक्रिया के बीच तंत्रिका संबंध (S-R बॉन्ड) पर जोर देता है।
· **वृद्धिशील शिक्षा:** उन्होंने तर्क दिया कि सीखना अचानक "अंतर्दृष्टि" या समझ के बजाय संबंधों को मजबूत करने की एक क्रमिक प्रक्रिया है।

Additional Points:

· **पावलोव:** "शास्त्रीय अनुबंधन" से जुड़े हैं जहाँ उन्होंने तटस्थ उद्दीपनों (जैसे घंटी) के प्रति प्रतिवर्ती प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए कुत्तों का उपयोग किया।
· **स्किनर:** "क्रियाप्रसूत अनुबंधन" से जुड़े हैं जिन्होंने यह अध्ययन करने के लिए स्किनर बॉक्स का उपयोग किया कि सुदृढीकरण और दंड स्वैच्छिक व्यवहार को कैसे आकार देते हैं।
· **कोहलर:** एक गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक जिन्होंने चिंपांजी का उपयोग करके "अंतर्दृष्टि अधिगम" का अध्ययन किया और दिखाया कि सीखना अचानक समझ के माध्यम से हो सकता है।

Q.9 बाल विकास के संदर्भ में, "समीप-दूराभिमुख" विकास का तात्पर्य है:

A. सिर से पैर तक की वृद्धि
B. शरीर के केंद्र से बाहर की ओर अंगों तक की वृद्धि
C. सामान्य से विशिष्ट की ओर वृद्धि
D. सरल से जटिल की ओर वृद्धि

Answer: B

Sol: **सही उत्तर है (b) शरीर के केंद्र से बाहर की ओर अंगों तक की वृद्धि।**

Explanation:

समीप-दूराभिमुख प्रवृत्ति शारीरिक विकास और मोटर नियंत्रण के उस पैटर्न का वर्णन करती है जहाँ विकास शरीर के केंद्रीय अक्ष से परिधि की ओर बढ़ता है। इसका अर्थ है कि आंतरिक अंगों और धड़ के पास की बड़ी मांसपेशी समूहों का विकास उंगलियों और पैर की उंगलियों के सूक्ष्म मोटर कौशल से पहले होता है। इसलिए सही उत्तर (b) है।

Information Booster:

- **दिशात्मक पैटर्न:** यह शब्द 'प्रॉक्सिमो' (निकट) और 'डिजिटल' (दूर) से लिया गया है, जो केंद्र से परिधि के अनुक्रम को दर्शाता है।
- **मोटर कौशल:** शिशु अपने हाथों या उंगलियों से वस्तुओं में हेरफेर करने से पहले अपने धड़ और बाहों पर नियंत्रण प्राप्त करते हैं।
- **प्रसवपूर्व वृद्धि:** यह सिद्धांत भ्रूण के विकास के दौरान अत्यधिक दिखाई देता है, जहाँ सिर और धड़ का निर्माण अंगों से पहले होता है।
- **जैविक खाका:** यह विकास के दो प्रमुख दिशात्मक नियमों में से एक है, दूसरा शिरोभिमुख है।
- **शारीरिक समन्वय:** इस नियम के अनुसार बड़ी मांसपेशियों की गति (सकल मोटर) आमतौर पर सटीक गति (सूक्ष्म मोटर) से पहले होती है।

Additional Knowledge:

- • विकल्प (a): शिरोभिमुख विकास – यह सिर से नीचे पूंछ/पैरों तक होने वाले विकास के पैटर्न का वर्णन करता है।
- • विकल्प (c): विभेदीकरण – यह उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जहाँ बच्चे वैश्विक, असंगठित आंदोलनों से विशिष्ट, परिष्कृत आंदोलनों की ओर बढ़ते हैं।
- • विकल्प (d): एकीकरण – इसमें अलग-अलग, सरल कौशल का अधिक जटिल और उच्च-स्तरीय व्यवहार पैटर्न में समन्वय शामिल है।

Q.10 पावलोव के मूल शास्त्रीय अनुकूलन प्रयोग में, निम्नलिखित में से कौन सा "भोजन" की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

A. अनुकूलित उद्दीपक (CS)
B. अनुकूलित अनुक्रिया (CR)
C. गैर-अनुकूलित उद्दीपक (US)
D. तटस्थ उद्दीपक (NS)

Answer: C

Sol: **हल: सही उत्तर: (c) गैर-अनुकूलित उद्दीपक (US)**

व्याख्या:

शास्त्रीय अनुकूलन में, एक उद्दीपक स्वाभाविक रूप से बिना किसी पूर्व अधिगम के प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है।

पावलोव ने कुत्तों को भोजन दिया, जिससे स्वाभाविक रूप से लार टपकने लगी। यह लार टपकना स्वचालित रूप से हुआ; कुत्तों को इसे सीखने की आवश्यकता नहीं थी।
ऐसा स्वाभाविक रूप से होने वाला उद्दीपक जो बिना सीखी हुई प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है, गैर-अनुकूलित उद्दीपक (US) कहलाता है।

Information Booster:

गैर-अनुकूलित उद्दीपक (US): एक उद्दीपक जो स्वचालित रूप से प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है (जैसे, भोजन → लार)।
गैर-अनुकूलित अनुक्रिया (UR): US के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया (जैसे, भोजन पर लार टपकना)।
तटस्थ उद्दीपक (NS): एक उद्दीपक जो प्रारंभ में अननुकूलित अनुक्रिया को ट्रिगर नहीं करता है (जैसे, अनुकूलन से पहले घंटी)।
अनुकूलित उद्दीपक (CS): पहले तटस्थ उद्दीपक जो US के साथ जुड़ने के बाद, प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है (जैसे, अनुकूलन के बाद घंटी)।
अनुकूलित अनुक्रिया (CR): अनुकूलित उद्दीपक के प्रति सीखी गई प्रतिक्रिया (जैसे, घंटी पर लार टपकना)।

Additional Knowledge:

→ शास्त्रीय अनुकूलन साहचर्य अधिगम को प्रदर्शित करता है—वह अधिगम जो तब होता है जब दो उद्दीपक एक साथ जोड़े जाते हैं।
→ पावलोव के प्रयोग ने दिखाया कि एक तटस्थ उद्दीपक (घंटी), गैर-अनुकूलित उद्दीपक (भोजन) के साथ बार-बार जोड़े जाने के बाद, अनुकूलित अनुक्रिया (लार) प्राप्त कर सकता है।
→ यह सिद्धांत मनोविज्ञान में मौलिक है, जो आदतों, फोबिया और यहाँ तक कि विज्ञापन तकनीकों की व्याख्या करता है जहाँ उद्दीपकों और प्रतिक्रियाओं के बीच जुड़ाव बनाया जाता है।

Q.11 कोहलर के अंतर्दृष्टि अधिगम सिद्धांत के अनुसार, "अंतर्दृष्टि अधिगम" को "प्रयत्न और त्रुटि अधिगम" से मुख्य रूप से क्या अलग करता है?

A. अंतर्दृष्टि अधिगम के लिए सही अनुक्रिया उभरने से पहले बार-बार सुदृढीकरण की आवश्यकता होती है।
B. अंतर्दृष्टि अधिगम उद्दीपक-अनुक्रिया संबंधों के क्रमिक मजबूती के बजाय कथित संबंधों के अचानक पुनर्गठन के रूप में होता है।
C. अंतर्दृष्टि अधिगम निचले जीवों (जानवरों) तक सीमित है; मनुष्य अंतर्दृष्टि से नहीं सीख सकते।
D. अंतर्दृष्टि अधिगम केवल दूसरों के व्यवहार की नकल के परिणामस्वरूप होता है।

Answer: B

Sol: **हल: सही उत्तर: (b) अंतर्दृष्टि अधिगम उद्दीपक-अनुक्रिया संबंधों के क्रमिक मजबूती के बजाय कथित संबंधों के अचानक पुनर्गठन के रूप में होता है।**

व्याख्या:

अंतर्दृष्टि अधिगम वोल्फगैंग कोहलर द्वारा चिंपैंजी के साथ उनके प्रयोगों के आधार पर पेश की गई एक अवधारणा है।
प्रयत्न और त्रुटि अधिगम के विपरीत, जहाँ एक शिक्षार्थी बार-बार के प्रयासों के माध्यम से उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच संबंध को धीरे-धीरे मजबूत करता है, अंतर्दृष्टि अधिगम अचानक होता है।
इसमें समस्या के तत्वों का मानसिक पुनर्गठन शामिल है, जिससे एक "यूरेका" क्षण आता है, जहाँ समाधान तुरंत स्पष्ट हो जाता है।
कोहलर ने देखा कि चिंपैंजी अचानक यह समझ सकते थे कि बक्सों को ढेर करके या लाठी का उपयोग करके पहुँच से बाहर रखे केलों तक कैसे पहुँचा जाए, बिना यादृच्छिक प्रयत्न और त्रुटि के।
यह प्रदर्शित करता है कि संज्ञान और संबंधों की धारणा समस्या-समाधान में केंद्रीय भूमिका निभाती है।

Additional Knowledge:

→ अंतर्दृष्टि अधिगम केवल व्यवहारवादी उद्दीपक-अनुक्रिया संबंधों के बजाय संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं पर जोर देता है।
→ यह जानवरों तक सीमित नहीं है; मनुष्य भी समस्या-समाधान कार्यों में अंतर्दृष्टि प्रदर्शित करते हैं।
→ मनुष्यों में "अहा मोमेंट" जैसे कि सोचने के बाद अचानक एक जटिल पहेली को हल करना, अंतर्दृष्टि अधिगम का एक उदाहरण है।
→ अंतर्दृष्टि अधिगम इस विचार का समर्थन करता है कि अधिगम आंतरिक और मानसिक हो सकता है, न कि केवल अवलोकनीय व्यवहारों के माध्यम से।

Q.12 पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सबसे अच्छा बताता है कि पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में बच्चा संरक्षण कार्यों में क्यों विफल रहता है?

A. सीमित स्मृति क्षमता
B. आत्मकेंद्रित विचार और केंद्रीकरण
C. नैतिक समझ की कमी
D. अपर्याप्त मोटर विकास

Answer: B

Sol: **हल: सही उत्तर: (b) आत्मकेंद्रित विचार और केंद्रीकरण**

स्पष्टीकरण:

पियाजे के अनुसार, पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था के बच्चे संरक्षण कार्यों में विफल रहते हैं क्योंकि वे केंद्रीकरण और आत्मकेंद्रितता दिखाते हैं।
केंद्रीकरण: बच्चा स्थिति के केवल एक पहलू पर ध्यान केंद्रित करता है और अन्य प्रासंगिक पहलुओं की अनदेखी करता है।
आत्मकेंद्रित विचार: बच्चा दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को नहीं समझ सकता।
इन सीमाओं के कारण, बच्चा यह समझने में सक्षम नहीं होता है कि रूप बदलने पर भी मात्रा वही रहती है।

Information Booster:

→ पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में सोच सहज होती है, तार्किक नहीं।
→ बच्चे रूप-आधारित निर्णयों पर भरोसा करते हैं - जो अलग दिखता है उसे अलग माना जाता है।
→ वे 'अप्रतिवर्त्यता' भी दिखाते हैं - वे मानसिक रूप से क्रियाओं को उलट नहीं सकते यह समझने के लिए कि मात्रा अपरिवर्तित रहती है।
→ संरक्षण की समझ मूर्त संक्रियात्मक अवस्था में विकसित होती है।

Additional Knowledge:

→ पियाजे ने तरल, संख्या, द्रव्यमान, क्षेत्र, वजन आदि के लिए संरक्षण का परीक्षण किया।
→ पूर्व-संक्रियात्मक बच्चे अभी तक मानसिक संक्रियाएं नहीं कर सकते।
→ एक बार संरक्षण विकसित हो जाने पर, बच्चे विकेंद्रीकरण, प्रतिवर्त्यता और तार्किक सोच दिखाते हैं।
→ पियाजे का मानना था कि संज्ञानात्मक विकास सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक अनुक्रमिक चरणों का पालन करता है।

Q.13 अभिकथन (A): थार्नडाइक का प्रयत्न और त्रुटि सिद्धांत उद्दीपकों और अनुक्रियाओं के बीच क्रमिक जुड़ाव के माध्यम से अधिगम पर जोर देता है।
कारण (R): अधिगम तब सबसे प्रभावी ढंग से होता है जब शिक्षार्थी सक्रिय रूप से कई अनुक्रियाओं का प्रयास करता है और इस बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त करता है कि कौन सी सही हैं या गलत।

A. A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
B. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C. A सही है, लेकिन R गलत है।
D. A गलत है, लेकिन R सही है।

Answer: A

Sol: **हल: सही उत्तर: (a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।**
व्याख्या:
थार्नडाइक का प्रयत्न और त्रुटि सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि अधिगम धीरे-धीरे होता है क्योंकि एक व्यक्ति एक उद्दीपक के प्रति अलग-अलग अनुक्रियाओं का प्रयास करता है जब तक कि उसे सही अनुक्रिया नहीं मिल जाती। प्रत्येक अनुक्रिया जो एक सफल परिणाम की ओर ले जाती है, उसे सुदृढ़ किया जाता है, जबकि गलत अनुक्रियाएं गायब हो जाती हैं। इस प्रक्रिया को "प्रभाव का नियम" के रूप में जाना जाता है, जहाँ सही अनुक्रियाएं "अंकित" हो जाती हैं और गलत अनुक्रियाएं "मिट" जाती हैं।
कारण (R) इस तंत्र को पूरी तरह से समझाता है: अधिगम तब सबसे प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यों (प्रयत्नों) के साथ प्रयोग करता है और इस पर प्रतिक्रिया प्राप्त करता है कि कौन सी अनुक्रियाएं सही हैं या गलत (त्रुटियाँ)। बार-बार के प्रयासों और सुदृढीकरण के माध्यम से, शिक्षार्थी धीरे-धीरे उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच सही संबंध बनाता है।
Information Booster:
→ थार्नडाइक ने मुख्य रूप से जानवरों के साथ प्रयोग किए, जैसे पहेली बक्से में बिल्लियाँ, यह अध्ययन करने के लिए कि उन्होंने समस्याओं को कैसे हल किया।
→ अधिगम अचानक अंतर्दृष्टि के बजाय क्रमिक होता है; यह अभ्यास और अनुभव पर जोर देता है।
→ इस सिद्धांत ने व्यवहारवाद की नींव रखी और बी.एफ. स्किनर जैसे मनोवैज्ञानिकों को प्रभावित किया।
Additional Knowledge:
→ यह सिद्धांत सक्रिय अधिगम पर प्रकाश डालता है, निष्क्रिय रटने पर नहीं।
→ यह बताता है कि गलतियाँ क्यों महत्वपूर्ण हैं—वे प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं जो भविष्य के अधिगम का मार्गदर्शन करती हैं।
→ थार्नडाइक ने तीन मुख्य नियमों की पहचान की: तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम और प्रभाव का नियम, जो मिलकर बताते हैं कि व्यवहार कैसे मजबूत या कमजोर होता है।

Q.14 अभिकथन (A): समीपस्थ विकास क्षेत्र (ZPD) उन कार्यों का प्रतिनिधित्व करता है जो एक बच्चा स्वतंत्र रूप से कर सकता है।
कारण (R): वायगोत्स्की इस बात पर जोर देते हैं कि बच्चों को बिना समर्थन के सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए।

A. A और R दोनों सत्य हैं
B. A और R दोनों असत्य हैं
C. A असत्य है, लेकिन R सत्य है
D. A सत्य है, लेकिन R असत्य है

Answer: B

Sol: **Solution: Correct Answer: (b) A और R दोनों असत्य हैं। मुझे विस्तार से समझाने दें।**
Explanation:
अभिकथन (A): "समीपस्थ विकास क्षेत्र (ZPD) उन कार्यों का प्रतिनिधित्व करता है जो एक बच्चा स्वतंत्र रूप से कर सकता है।"
→यह असत्य है। ZPD वास्तव में उन कार्यों की सीमा को संदर्भित करता है जिन्हें एक बच्चा अकेले नहीं कर सकता है, लेकिन मार्गदर्शन या सहयोग से पूरा कर सकता है। जो कार्य पूरी तरह से बच्चे की स्वतंत्र क्षमता के भीतर हैं, वे ZPD से बाहर हैं।
कारण (R): "वायगोत्स्की इस बात पर जोर देते हैं कि बच्चों को बिना समर्थन के सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए।"
→यह भी असत्य है। वायगोत्स्की का मूल विचार सामाजिक रचनावाद है: बच्चे वयस्कों या सहकर्मियों से अंतःक्रिया, स्कैफोल्डिंग, और निर्देशित समर्थन के माध्यम से सबसे अच्छा सीखते हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि सीखने में सहायता शामिल होनी चाहिए, न कि पूर्ण स्वतंत्रता।
Information Booster:
ZPD वायगोत्स्की के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत का केंद्र है। यह इनके बीच के अंतराल को परिभाषित करता है:
→जो बच्चा अकेले कर सकता है (वास्तविक विकास स्तर)।
→जो बच्चा मदद से कर सकता है (संभावित विकास स्तर)।
→प्रभावी शिक्षण ZPD के भीतर होता है, जहाँ बच्चे के कौशल प्राप्त करने के साथ मार्गदर्शन धीरे-धीरे कम होता जाता है - इसे स्कैफोल्डिंग कहा जाता है।
Additional Knowledge:
→शिक्षकों और देखभाल करने वालों को उपयुक्त चुनौतियाँ और समर्थन प्रदान करने के लिए प्रत्येक बच्चे के ZPD की पहचान करनी चाहिए।
→पाड़/ढाँचा निर्माण रणनीतियों में मार्गदर्शक प्रश्न पूछना, कार्यों का मॉडल बनाना, संकेत देना, या कार्यों को छोटे चरणों में तोड़ना शामिल है।
→ZPD स्थिर नहीं है; यह बच्चे के बढ़ने के साथ बदलता है, इसलिए निरंतर मूल्यांकन और अनुकूली समर्थन महत्वपूर्ण हैं।
→संक्षेप में: ZPD उस बारे में है जो एक बच्चा मदद से कर सकता है, और वायगोत्स्की ने निर्देशित सीखने पर जोर दिया, न कि पूर्ण स्वतंत्रता पर।

Q.15 निम्नलिखित में से कौन सी बच्चों में सार्थक अधिगम (न कि रटकर सीखने) की विशेषता नहीं है?

A. विचार मौजूदा ज्ञान से जुड़े होते हैं
B. बच्चे अपने विचारों में हेरफेर और उन्हें व्यवस्थित करते हैं
C. अधिगम लगभग हमेशा केवल बाहरी पुरस्कारों के लिए होता है
D. बच्चे सक्रिय रूप से अर्थ निर्माण में शामिल होते हैं

Answer: C

Sol: Solution: Correct Answer: (c) अधिगम लगभग हमेशा केवल बाहरी पुरस्कारों के लिए होता है

Explanation:

सार्थक अधिगम तब होता है जब बच्चे वास्तव में सामग्री को समझते हैं, इसे पहले से ही ज्ञात ज्ञान से जोड़ते हैं, और सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण स्वयं करते हैं। सार्थक अधिगम में:

→विचार मौजूदा ज्ञान से जुड़े होते हैं, जिससे बच्चों को इसे अलग से याद करने के बजाय नई जानकारी को एकीकृत करने में मदद मिलती है।

→बच्चे अपने विचारों को व्यवस्थित और उनमें हेरफेर करते हैं, जो समझ और प्रतिधारण को गहरा करता है।

→बच्चे सक्रिय रूप से अर्थ निर्माण, अन्वेषण, प्रयोग और चिंतन में शामिल होते हैं।

→दूसरी ओर, अधिगम जो केवल बाहरी पुरस्कारों (जैसे ग्रेड, पुरस्कार, या प्रशंसा) के लिए किया जाता है, वह रटकर सीखने की विशेषता है। यह गहरी समझ के बिना याद करने पर जोर देता है, और ध्यान आंतरिक समझ के बजाय परिणामों पर होता है।

Information Booster:

सार्थक अधिगम रचनावाद (पियाजे, औसुबेल) के शैक्षिक सिद्धांत में निहित है। आसुबेल ने "उपग्रहण" (subsumption) के विचार पर जोर दिया, जहाँ नए ज्ञान को प्रासंगिक मौजूदा ज्ञान से जोड़ा जाता है। सक्रिय जुड़ाव, चिंतन और आंतरिक प्रेरणा प्रमुख घटक हैं जो अधिगम को सार्थक बनाते हैं।

Additional Knowledge:

→सार्थक अधिगम दीर्घकालिक प्रतिधारण, समालोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देता है।

→यह बच्चों को नई स्थितियों में ज्ञान को स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो रटकर सीखने के विपरीत है जो केवल याद करने तक सीमित है।

→शिक्षक परियोजना-आधारित अधिगम, चर्चाएँ, अवधारणा मानचित्रण और व्यावहारिक गतिविधियों जैसी रणनीतियों का उपयोग करके सार्थक अधिगम को बढ़ावा दे सकते हैं।

Q.16 निम्नलिखित में से कौन सा कथन कोहलर के अंतर्दृष्टि सिद्धांत के अनुरूप नहीं है?

A. अंतर्दृष्टि अधिगम अचानक होता है और अक्सर समझ की एक ही चमक में होता है
B. अंतर्दृष्टि आंतरिक संज्ञान की तुलना में प्रयास और त्रुटि पर अधिक निर्भर करती है
C. अंतर्दृष्टि में अवधारणात्मक मनोवैज्ञानिक क्षेत्र का मानसिक पुनर्गठन शामिल है
D. एक शिक्षार्थी को तैयार, चौकस होना चाहिए और स्थिति में आवश्यक तत्वों का होना चाहिए

Answer: B

Sol: हल: सही उत्तर: (b) अंतर्दृष्टि आंतरिक संज्ञान की तुलना में प्रयास और त्रुटि पर अधिक निर्भर करती है

स्पष्टीकरण:

कोहलर के अनुसार, अंतर्दृष्टि अधिगम तब होता है जब शिक्षार्थी अचानक किसी समस्या के भीतर के संबंध को समझ लेता है। यह आंतरिक मानसिक पुनर्गठन पर आधारित है, न कि अंधाधुंध प्रयास-और-त्रुटि प्रयासों पर।

Information Booster:

→कोहलर ने चिम्पांजी पर बक्से या लाठी का उपयोग करके केले तक पहुंचने जैसी समस्याओं को हल करने का अध्ययन किया।

→जानवरों ने यादृच्छिक प्रयासों पर भरोसा नहीं किया; इसके बजाय, उन्होंने स्थिति को देखा, संबंधों को समझा, और बोध की एक अचानक चमक में समस्या को हल किया।

Additional Knowledge:

→अंतर्दृष्टि अधिगम संज्ञानात्मक, उद्देश्यपूर्ण और तत्काल होता है।

→एक बार अंतर्दृष्टि प्राप्त हो जाने पर, अधिगम स्थायी हो जाता है और समान स्थितियों में हस्तांतरणीय हो जाता है।

→अंतर्दृष्टि होने के लिए शिक्षार्थी में बोध की स्पष्टता, प्रेरणा और पर्यावरण में प्रासंगिक तत्वों की उपस्थिति होनी चाहिए।

Q.17 वायगोत्स्की के सिद्धांत में "निजी वाक्" की अवधारणा से तात्पर्य है:

A. गुप्त वाक् जिसका उपयोग बच्चा विचारों को छिपाने के लिए करता है
B. आंतरीकृत मौन वाक् जो बच्चे के सोचने और कार्य को निर्देशित करता है
C. केवल माता-पिता के लिए अभिप्रेत वाक्
D. कक्षा में फुसफुसाना

Answer: B

Sol: हल: सही उत्तर: (b) आंतरीकृत मौन वाक् जो बच्चे के सोचने और कार्य को निर्देशित करता है

स्पष्टीकरण:

वायगोत्स्की का मानना था कि जब बच्चे कोई कार्य करते समय स्वयं से बात करते हैं (उदाहरण के लिए, यह कहना कि "अब मैं इस ब्लॉक को यहाँ रखता हूँ"), तो वे केवल बात नहीं कर रहे होते हैं—वे जोर से सोच रहे होते हैं।

उम्र और विकास के साथ, यह वाक् धीरे-धीरे मौन और आंतरिक हो जाता है। यह आंतरिक वाक् बच्चे को योजना बनाने, व्यवहार को नियंत्रित करने, समस्याओं को हल करने और उनके कार्यों को निर्देशित करने में सहायता करता है।

इसलिए, निजी वाक् आत्म-नियमन और सोचने के लिए एक मनोवैज्ञानिक उपकरण है।

Information Booster:

→निजी वाक् शुरुआती बचपन के आसपास प्रारंभ होता है, खासकर समस्या-समाधान कार्यों के दौरान।

→जब कोई कार्य कठिन, नया या एकाग्रता की मांग करता है तो बच्चे इसका अधिक उपयोग करते हैं।

→वायगोत्स्की ने निजी वाक् को संज्ञानात्मक विकास का संकेत माना, न कि अपरिपक्वता का।

→यह बाद में आंतरिक वाक् में बदल जाता है, जिसका उपयोग वयस्क चुपचाप अपने मन में करते हैं।

Additional Knowledge:

→वायगोत्स्की ने निजी वाक् को सामाजिक संपर्क से जोड़ा, जिसमें कहा गया है कि सोच पहले लोगों के बीच विकसित होती है, और बाद में व्यक्ति के अंदर।

→निजी वाक् बच्चों को वयस्क निर्देशों की आवश्यकता के बजाय स्वयं को निर्देशित करके स्वतंत्र शिक्षार्थी बनने में सहायता करता है।

→यह वायगोत्स्की के इस विचार को दर्शाता है कि भाषा केवल संचार के लिए नहीं, बल्कि विचार के लिए एक उपकरण है।

Q.18 अभिकथन (A): 'फ्लिप्ड क्लासरूम' मॉडल ICT-सक्षम शिक्षा में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक बदलाव है।
कारण (R): यह छात्रों को डिजिटल मीडिया के माध्यम से घर पर ही आधारभूत विषय-वस्तु से जुड़ने की अनुमति देता है, जिससे स्कूल के घंटे सहयोगात्मक समस्या-समाधान के लिए आरक्षित रहते हैं।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C. A सत्य है लेकिन R असत्य है।
D. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

Answer: A

Sol: **सही उत्तर (a) है।**
स्पष्टीकरण: फ्लिप्ड क्लासरूम मॉडल निर्देशात्मक रणनीति में एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ पारंपरिक व्याख्यान-आधारित शिक्षण को कक्षा के बाहर ले जाया जाता है। घर पर वीडियो जैसे ICT उपकरणों के माध्यम से आधारभूत अवधारणाएं प्रदान करके, भौतिक कक्षा सक्रिय सीखने, सहकर्मी बातचीत और व्यक्तिगत शिक्षक सहायता के लिए एक स्थान बन जाती है। यह तार्किक कड़ी पुष्टि करती है कि रणनीति (अभिकथन) समय के उपयोग में विशिष्ट संरचनात्मक परिवर्तन (कारण) द्वारा सक्षम है।
Information Booster:
अभिकथन:
• **शैक्षणिक बदलाव:** यह शिक्षक-केंद्रित मॉडल से सक्रिय शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने वाले छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ता है।
• **ICT निर्भरता:** यह मॉडल विषय-वस्तु वितरण के लिए डिजिटल रिपॉजिटरी और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर बहुत अधिक निर्भर करता है।
• **संज्ञानात्मक फोकस:** याद रखने जैसे निम्न-स्तरीय सोच कौशल छात्रों द्वारा घर पर स्वतंत्र रूप से संभाले जाते हैं।
• **लचीला वातावरण:** यह छात्रों को डिजिटल सामग्री को रोककर या दोबारा देखकर अपनी गति से सीखने की अनुमति देता है।
• **निर्देशात्मक पुनर्रचना:** इसके लिए शिक्षकों को केवल व्याख्यान देने के बजाय उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल संसाधनों को व्यवस्थित करने या बनाने की आवश्यकता होती है।
कारण:
• **आधारभूत जुड़ाव:** वास्तविक कक्षा में आने से पहले छात्रों को नई सामग्री का पहला अनुभव मिलता है।
• **अनुकूलित स्कूल घंटे:** कक्षा के समय को अनुप्रयोग, विश्लेषण और संश्लेषण जैसे उच्च-स्तरीय कार्यों के लिए अधिकतम किया जाता है।
• **सहयोगात्मक समाधान:** ICT छात्रों को तत्काल शिक्षक फीडबैक के साथ जटिल समस्याओं पर समूहों में काम करने में सक्षम बनाता है।
• **डिजिटल मीडिया की भूमिका:** वीडियो, पॉडकास्ट और ई-बुक्स कक्षा से पहले की तैयारी के लिए प्राथमिक माध्यम के रूप में कार्य करते हैं।
• **सक्रिय शिक्षण:** सहयोगात्मक सत्रों के दौरान शिक्षक की भूमिका एक सुविधा प्रदाता या कोच के रूप में विकसित होती है।

Q.19 सुश्री शालिनी, कक्षा VI की एक शिक्षिका, "सौर मंडल" पढ़ाना चाहती हैं। केवल किताब से पढ़ने के बजाय, वह एक 3D सिमुलेशन का उपयोग करती हैं जहाँ छात्र ग्रहों को ज़ूम करके देख सकते हैं और उनकी कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं। छात्रों को उनके अन्वेषण की गति और दिशा को नियंत्रित करने की अनुमति देकर, वह मुख्य रूप से ICT का उपयोग कर रही हैं:

A. कक्षा के अनुशासन की आवश्यकता को प्रतिस्थापित करने के लिए।
B. निष्क्रिय सुनने से सक्रिय, खोज-आधारित सीखने की ओर बढ़ने के लिए।
C. यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक छात्र ग्रहों की दूरी को रट कर याद कर ले।
D. पाठ के नोट्स तैयार करने के अपने कार्यभार को कम करने के लिए।

Answer: B

Sol: **सही उत्तर (b) है।**
स्पष्टीकरण: विज्ञान शिक्षा में सिमुलेशन का उपयोग छात्रों को अमूर्त या दूरस्थ अवधारणाओं के साथ ठोस तरीके से जुड़ने की अनुमति देता है। 3D मॉडल में हेरफेर करके, छात्र अब केवल जानकारी प्राप्त (निष्क्रिय) नहीं कर रहे हैं, बल्कि जांच (सक्रिय) के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों की खोज कर रहे हैं। यह रचनावादी दृष्टिकोण के साथ संरेखित है जहाँ शिक्षार्थी अनुभव के माध्यम से अपनी समझ का निर्माण करते हैं।
Information Booster:
• **सक्रिय खोज:** इंटरैक्टिव ICT उपकरण छात्रों को 'क्या होगा यदि' प्रश्न पूछने और वास्तविक समय में परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
• **दृश्य प्रतिनिधित्व:** सिमुलेशन जटिल खगोलीय दूरियों और गतियों को दृश्यमान और समझने में आसान बनाते हैं।
• **स्व-गति से सीखना:** छात्र कठिन अवधारणाओं को दोबारा देख सकते हैं या उपकरण के भीतर रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों पर अधिक समय बिता सकते हैं।
• **जुड़ाव में वृद्धि:** गेमीफाइड या इमर्सिव 3D वातावरण विषय में छात्र की प्रेरणा और रुचि को काफी बढ़ाते हैं।
• **वैचारिक स्पष्टता:** गति में कक्षीय यांत्रिकी का अवलोकन पाठ्यपुस्तक में स्थिर चित्रों की तुलना में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
Additional Points:
• **विकल्प (a):** गलत धारणा – तकनीक अनुशासन का स्थान नहीं लेती है; वास्तव में, इसके लिए नई कक्षा प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता होती है।
• **विकल्प (c):** शैक्षणिक त्रुटि – रटना एक निम्न-स्तरीय कौशल है; सिमुलेशन का लक्ष्य समझ विकसित करना है, रटना नहीं।
• **विकल्प (d):** कार्यभार भ्रम – प्रभावी ICT एकीकरण के लिए अक्सर शिक्षक को गतिविधियों को व्यवस्थित करने और मार्गदर्शन करने के लिए अधिक तैयारी समय की आवश्यकता होती है।

Q.20 एक स्कूल न केवल पाठ्यपुस्तकों में उल्लिखित गणित और विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि इस बात पर भी जोर देता है कि छात्रों को दोपहर के भोजन के लिए कतार में खड़ा होना चाहिए और सहायक कर्मचारियों के साथ विनम्रता से बात करनी चाहिए। हालाँकि ये सामाजिक व्यवहार किसी भी औपचारिक दस्तावेज में नहीं लिखे गए हैं, फिर भी वे दर्शाते हैं:

A. प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या
B. प्रच्छन्न पाठ्यचर्या
C. लिखित पाठ्यक्रम
D. शून्य पाठ्यचर्या

Answer: B

Sol: **सही उत्तर (b) प्रच्छन्न पाठ्यचर्या है।**

स्पष्टीकरण:

प्रच्छन्न पाठ्यचर्या उस अनौपचारिक, अंतर्निहित अधिगम को संदर्भित करती है जो स्कूल की संस्कृति और दैनिक दिनचर्या के माध्यम से घटित होती है। कतार में लगना और विनम्रता से बात करना जैसे अभ्यास अक्सर लिखित पाठ योजनाओं के बजाय सामाजिक मानदंडों के माध्यम से प्रसारित होते हैं, जो छात्रों के दृष्टिकोण और व्यवहार को आकार देते हैं।

Information Booster:

- **अंतर्निहित अधिगम:** छात्र स्कूल के वातावरण में "प्रच्छन्न" या अलिखित संदेशों के माध्यम से सामाजिक कौशल, मूल्य और मानदंड सीखते हैं।
- **सामाजिककरण:** यह छात्रों को व्यापक समाज के अपेक्षित व्यवहारों में सामाजिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **अलिखित नियम:** इनमें व्यवहार की अपेक्षाएं, अधिकार के प्रति सम्मान और सामाजिक पदानुक्रम का पालन शामिल है।
- **गैर-शैक्षणिक विकास:** यह चरित्र निर्माण और सामाजिक शिष्टाचार पर ध्यान केंद्रित करता है जिनका मूल्यांकन शैक्षणिक परीक्षाओं में नहीं किया जाता है।
- **वातावरण का प्रभाव:** इसे स्कूल के लोकाचार, शिक्षक-छात्र अंतःक्रियाओं और सहकर्मी समूह की गतिशीलता के माध्यम से आत्मसात किया जाता है।

Additional Points:

- **विकल्प (a):** प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या – यह गलत है क्योंकि कतार में लगना और विनम्र भाषण औपचारिक दस्तावेज/पाठ्यपुस्तक में शैक्षणिक उद्देश्यों के रूप में सूचीबद्ध नहीं हैं।
- **विकल्प (c):** लिखित पाठ्यक्रम – यह गलत है क्योंकि प्रश्न में विशेष रूप से कहा गया है कि ये सामाजिक व्यवहार "किसी भी औपचारिक दस्तावेज में नहीं लिखे गए हैं।"
- **विकल्प (d):** शून्य पाठ्यचर्या – यह गलत है क्योंकि यह उन विषयों को संदर्भित करता है जिन्हें छोड़ दिया जाता है; यहाँ, व्यवहारों का सक्रिय रूप से अभ्यास और महत्व दिया जाता है।

Q.21 जहाँ _____ किसी विषय में पढ़ाए जाने वाली विषय-वस्तु का सारांश है, वहीं _____ स्कूल का संपूर्ण वातावरण है। _____ पाठ्यचर्या वह है जिसे जानबूझकर पढ़ाया जाता है, जबकि _____ पाठ्यचर्या वह है जिसे सामाजिक अंतःक्रिया के माध्यम से ग्रहण किया जाता है।

A. पाठ्यक्रम; पाठ्यचर्या; प्रत्यक्ष; प्रच्छन्न
B. पाठ्यचर्या; पाठ्यक्रम; प्रच्छन्न; प्रत्यक्ष
C. योजना; क्रिया; औपचारिक; अनौपचारिक
D. पाठ्यपुस्तक; पाठ; लिखित; मौखिक

Answer: A

Sol: **सही उत्तर (a) पाठ्यक्रम; पाठ्यचर्या; प्रत्यक्ष; प्रच्छन्न है।**

स्पष्टीकरण:

यह प्रश्न शैक्षिक ढाँचों के दायरे और प्रकृति के बीच अंतर करता है। 'सिलेबस' विषय वस्तु पर केंद्रित एक उपसमुच्चय है, जबकि 'करिकुलम' व्यापक छत्र है। प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या स्पष्ट योजना का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि प्रच्छन्न पाठ्यचर्या अंतर्निहित सामाजिक अधिगम का प्रतिनिधित्व करती है।

Information Booster:

- **पाठ्यक्रम का दायरा:** यह किसी विशिष्ट विषय के लिए विषयों की एक संकीर्ण सूची है, जिसका उपयोग अक्सर परीक्षाओं के मार्गदर्शक के रूप में किया जाता है।
- **पाठ्यचर्या का दायरा:** यह स्कूल-प्रायोजित सभी सीखने के अनुभवों की व्यापक योजना है, जिसमें मूल्य और सामाजिक कौशल शामिल हैं।
- **प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या:** लिखित, औपचारिक उद्देश्यों और पाठ्यपुस्तक की सामग्री को संदर्भित करती है जिन्हें खुले तौर पर स्वीकार किया जाता।
- **प्रच्छन्न पाठ्यचर्या:** इसमें वे अनकहे संदेश, मानदंड और व्यवहार शामिल होते हैं जिन्हें छात्र स्कूल की सामाजिक संरचना से सीखते हैं।
- **ग्रहण करना बनाम सिखाना:** प्रत्यक्ष पाठ्यचर्या में ज्ञान सीधे सिखाया जाता है, जबकि प्रच्छन्न पाठ्यचर्या में मूल्यों को अवलोकन के माध्यम से ग्रहण किया जाता है।

Additional Points:

- **विकल्प (b):** उल्टा क्रम – यह गलत तरीके से पाठ्यचर्या को संकीर्ण विषय सारांश और पाठ्यक्रम को संपूर्ण वातावरण के रूप में पहचानता है।
- **विकल्प (c):** योजना/क्रिया – हालाँकि संबंधित हैं, ये शब्द प्रत्यक्ष और प्रच्छन्न पाठ्यचर्या की विशिष्ट शैक्षिक परिभाषाओं को नहीं दर्शाते हैं।
- **विकल्प (d):** पाठ्यपुस्तक/पाठ – ये शिक्षण के विशिष्ट उपकरण या इकाइयाँ हैं, न कि स्कूल के वातावरण या सामाजिक अंतःक्रिया के लिए व्यापक ढाँचे।

Q.22 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020' के अनुरूप, प्रिंसिपल शिक्षकों को निर्देश देते हैं कि वे पाठ्यपुस्तक के अध्यायों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना बंद करें और इसके बजाय ऐसे प्रोजेक्ट डिजाइन करें जहां छात्र महत्वपूर्ण सोच, सहयोग और अनुप्रयोग जैसे कौशल प्रदर्शित करें। यह 'सामग्री-आधारित' से किस ओर बदलाव का प्रतीक है:

A. रटने-आधारित
B. योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक
C. पाठ्यपुस्तक-केंद्रित
D. परीक्षा-केंद्रित

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक**

Explanation:

NEP 2020 पारंपरिक "सामग्री-भारी" पाठ्यक्रम की आलोचना करता है जहां छात्र बड़ी मात्रा में डेटा याद करते हैं। यह योग्यता-आधारित शिक्षा (CBE) की वकालत करता है, जहां लक्ष्य "वैज्ञानिक तर्क" या "संचार" जैसे कौशल (योग्यता) में महारत हासिल करना है, और अनुभवात्मक अधिगम, जहां यह महारत "करके सीखने" (व्यावहारिक परियोजनाएं, इंटर्नशिप, कला एकीकरण) के माध्यम से प्राप्त की जाती है।

Information Booster:

· **'करने' पर ध्यान दें:** यह इस बारे में नहीं है कि आप क्या जानते हैं (सामग्री), बल्कि इस बारे में है कि आप जो जानते हैं उसके साथ आप क्या कर सकते हैं (योग्यता)।
· **कौशल प्रवीणता:** छात्र तभी आगे बढ़ते हैं जब वे किसी कौशल में महारत प्रदर्शित करते हैं, केवल इसलिए नहीं कि साल खत्म हो गया।
· **समग्र विकास:** अनुभवात्मक शिक्षा "सिर, हृदय और हाथ" को संलग्न करती है, संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ भावनात्मक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देती है।
· **वास्तविक दुनिया का अनुप्रयोग:** योग्यताएं हस्तांतरणीय कौशल (जैसे, समस्या-समाधान) हैं जो वास्तविक जीवन और करियर में उपयोगी हैं।
· **पाठ्यक्रम में कमी:** NEP महत्वपूर्ण सोच और विश्लेषण के लिए जगह बनाने के लिए पाठ्यक्रम सामग्री को "मुख्य अनिवार्यताओं" तक कम करने का सुझाव देती है।

Q.23 परिदृश्य: एक गणितीय समस्या-समाधान सत्र के दौरान, सुश्री कविता कक्षा में घूमती हैं, छात्रों के चरणों की जाँच करती हैं, जो अटके हुए हैं उनसे जांच प्रश्न पूछती हैं, और संकेत देती हैं। वह अंक नहीं दे रही हैं, बल्कि इस 'सीखने के लिए मूल्यांकन' का उपयोग निम्नलिखित के लिए कर रही हैं:

A. वर्ष के अंत में छात्रों को रैंक देने के लिए होता है
B. नैदानिक है और शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करता है
C. केवल रटने पर केंद्रित है
D. छात्रों को "पास" या "फेल" के रूप में लेबल करने के लिए उपयोग किया जाता है

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) नैदानिक है और शिक्षण-अधिगम में सुधार के लिए प्रतिक्रिया प्रदान करता है।**

Explanation:
सीखने के लिए मूल्यांकन (रचनात्मक) एक सतत प्रक्रिया है जो निर्देश के दौरान होती है। इसका प्राथमिक उद्देश्य नैदानिक है—यह पता लगाना कि छात्र कहाँ संघर्ष कर रहे हैं—और उपचारात्मक—उन संघर्षों को ठीक करने के लिए तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करना। यह वर्तमान क्षमता और सीखने के लक्ष्य के बीच के अंतर को पाटता है।

Information Booster:
· **वर्णनात्मक प्रतिक्रिया:** "10 में से 6" के बजाय, प्रतिक्रिया "आप दशमलव बिंदु ले जाना भूल गए" है। यह कार्रवाई योग्य सलाह है।
· **शिक्षक अनुकूलन:** यह शिक्षक को सूचित करता है। यदि सुश्री कविता देखती हैं कि हर कोई एक ही गलती कर रहा है, तो वह जानती हैं कि उन्हें उस अवधारणा को तुरंत फिर से पढ़ाना होगा।
· **कम दांव:** क्योंकि इसे अंतिम रिपोर्ट कार्ड के लिए ग्रेड नहीं दिया जाता है, छात्र जोखिम लेने और गलतियाँ करने में सुरक्षित महसूस करते हैं, जो विकास मानसिकता को बढ़ावा देता है।
· **छात्र भागीदारी:** इसमें अक्सर आत्म-मूल्यांकन और सहकर्मी-मूल्यांकन शामिल होता है, जो छात्रों को उनके सीखने की यात्रा का सक्रिय स्वामी बनाता है।

Additional Points:
· **वर्ष का अंत:** यह सीखने का मूल्यांकन (योगात्मक) है। यह सीखने का एक मरणोपरांत ऑटोप्सी है, न कि स्वास्थ्य जांच।
· **रटना:** रचनात्मक मूल्यांकन केवल उत्तरों को याद करने के बजाय समझ और प्रक्रिया पर केंद्रित होता है।
· **लेबलिंग:** लक्ष्य सुधार है, न कि निर्णय या बच्चे को "विफलता" के रूप में लेबल करना।

Q.24 एक शिक्षक प्रत्येक छात्र के लिए एक फोल्डर रखता है जिसमें शैक्षणिक वर्ष में एकत्र किए गए उनके सर्वोत्तम चित्र, कविताएँ और प्रोजेक्ट रिपोर्ट होती हैं। CCE के इस उपकरण को किस रूप में जाना जाता है?

A. वृतांत अभिलेख
B. पोर्टफोलियो
C. रेटिंग स्केल
D. संचयी अभिलेख

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) पोर्टफोलियो**

Explanation:
एक पोर्टफोलियो छात्र के काम का एक उद्देश्यपूर्ण और व्यवस्थित संग्रह है जो एक या अधिक क्षेत्रों में छात्र के प्रयासों, प्रगति और उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है। यह समय की अवधि में बच्चे की शैक्षणिक और पाठ्येतर यात्रा की एक दृश्य कहानी के रूप में कार्य करता है।

Information Booster:
· **दस्तावेजीकरण विकास**: केवल एक परीक्षण स्कोर के स्नैपशॉट के बजाय बच्चे के कौशल के **दीर्घकालिक विकास** को दिखाने के लिए पोर्टफोलियो आवश्यक हैं।
· **उपलब्धि का प्रमाण**: उनमें **निबंध, कलाकृति और प्रोजेक्ट रिपोर्ट** जैसी विभिन्न प्रकार की कलाकृतियाँ होती हैं जो छात्र की क्षमता का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।
· **छात्र चिंतन**: अक्सर, छात्रों को **अपना सर्वश्रेष्ठ काम चुनने** के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो स्व-मूल्यांकन और उनके सीखने के स्वामित्व को बढ़ावा देता है।
· **समग्र आकलन**: **शैक्षिक और सह-शैक्षिक** दोनों वस्तुओं को शामिल करके, पोर्टफोलियो CCE की व्यापक प्रकृति के साथ पूरी तरह से संरेखित होते हैं।
· **संचार उपकरण**: वे **अभिभावक-शिक्षक बैठकों** के दौरान बच्चे की ताकत और सुधार के क्षेत्रों का ठोस प्रमाण प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन के रूप में कार्य करते हैं।
· **अनुकूलित मूल्यांकन**: मानकीकृत परीक्षणों के विपरीत, पोर्टफोलियो प्रत्येक छात्र की **व्यक्तिगत भिन्नताओं** को निष्पक्ष रूप से मनाने और आकलित करने की अनुमति देते हैं।

Additional Points:
· **वृतांत अभिलेख**: शिक्षक द्वारा देखी गई किसी विशिष्ट घटना या व्यवहार का एक संक्षिप्त **कथात्मक विवरण**; इसमें आमतौर पर छात्र का भौतिक कार्य शामिल नहीं होता है।
· **संचयी अभिलेख**: छात्र के **इतिहास** (उपस्थिति, स्वास्थ्य, ग्रेड) का एक स्थायी रिकॉर्ड जो आमतौर पर प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रखा जाता है।

Q.25 एक कक्षा VII का छात्र, अमित, दोस्तों के एक लोकप्रिय समूह के साथ फिट होने के लिए अपना व्यवहार बदलता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि किशोरावस्था में, समाजीकरण का प्राथमिक एजेंट अक्सर निम्नलिखित से बदल जाता है:

A. परिवार से सहकर्मी समूह तक
B. स्कूल से जन मीडिया तक
C. सहकर्मी से परिवार तक
D. मीडिया से धर्म तक

Answer: A

Sol: सही उत्तर है **(a) परिवार से सहकर्मी समूह तक**

Explanation:
किशोरावस्था के दौरान, बच्चे के सामाजिक दुनिया का केंद्र बदल जाता है। जबकि परिवार सुरक्षित आधार बना रहता है, सहकर्मी समूह मूल्यों, फैशन, व्यवहार और सत्यापन का प्राथमिक स्रोत बन जाता है। अमित का अपना व्यवहार बदलना इस नए पदानुक्रम में सामाजिक संबंध सुरक्षित करने का एक प्रयास है, जो परिवार इकाई से स्वतंत्रता विकसित करने के लिए आवश्यक एक प्रक्रिया है।

Information Booster:
· **माध्यमिक समाजीकरण:** बचपन की शुरुआत प्राथमिक समाजीकरण (परिवार) द्वारा शासित होती है। किशोरावस्था माध्यमिक समाजीकरण (सहकर्मी/स्कूल) द्वारा हावी होती है।
· **सामाजिक पहचान:** किशोर खुद को उन लोगों द्वारा परिभाषित करते हैं जिनके साथ वे घूमते हैं ("मैं एक स्केटर हूँ," "मैं एक गीक हूँ")। सहकर्मी इस पहचान के लिए दर्पण प्रदान करते हैं।
· **अनुरूपता:** इस आयु वर्ग में अनुरूपता की उच्चतम दर होती है (सहकर्मी दबाव के आगे झुकना) क्योंकि सामाजिक अस्वीकृति का डर तीव्र होता है।
· **मनोवैज्ञानिक अलगाव:** एक वयस्क बनने के लिए, किसी को माता-पिता से भावनात्मक रूप से अलग होना चाहिए। सहकर्मी पर निर्भर रहना उस अंतर को पाटने के लिए उपयोग किया जाने वाला सेतु है।
Additional Points:
· **स्कूल से मीडिया तक:** हालांकि मीडिया शक्तिशाली है, वर्णित बदलाव परिवार के प्रभाव से दूर जाना है।
· **सहकर्मी से परिवार तक:** यह वास्तविकता का विपरीत है। किशोर परिवार से दूर जाते हैं, न कि उनकी ओर।
· **मीडिया से धर्म तक:** यह मानक किशोरावस्था के विकास में देखा जाने वाला प्राथमिक बदलाव नहीं है।

Q.26 दोपहर के भोजन के अवकाश के दौरान, कक्षा 6 के छात्रों का एक समूह खेल के नियमों को लेकर बहस कर रहा है। अंततः, वे शिक्षक की मदद के बिना समझौता करते हैं और सहमत होते हैं। समाजीकरण का कौन सा अभिकर्ता यहाँ मुख्य रूप से सक्रिय है?

A. परिवार
B. जनसंचार माध्यम (मास मीडिया)
C. सहकर्मी समूह
D. कार्यस्थल

Answer: C

Sol: सही उत्तर है: (**c) सहकर्मी समूह**
व्याख्या:
सहकर्मी समूहों में समान आयु और सामाजिक स्थिति के व्यक्ति होते हैं। परिवार या स्कूल के विपरीत जहाँ एक पदानुक्रम (वयस्क से बच्चा) होता है, सहकर्मी समूह एक समतावादी परिवेश प्रदान करते हैं जहाँ बच्चे आपसी सहमति और सहयोग के माध्यम से बातचीत करना, संघर्षों को सुलझाना और नियम बनाना सीखते हैं।
Information Booster:
· **समानता:** माता-पिता या शिक्षकों के साथ अधिकार-आधारित संबंधों के विपरीत, अंतःक्रियाएं समान स्थिति पर आधारित होती हैं।
· **सामाजिक बातचीत:** बच्चे वयस्क पर्यवेक्षण के बिना कूटनीति, समझौता और नियम बनाना सीखते हैं।
· **स्वतंत्रता:** यह परिवार से अलग एक पहचान बनाने का पहला बड़ा अवसर प्रदान करता है।
· **लैंगिक भूमिकाएं:** सहकर्मी समूह अक्सर खेल और बहिष्कार/समावेशन के माध्यम से लैंगिक मानदंडों को सुदृढ़ या चुनौती देते हैं।
· **संक्रमणकालीन पुल:** यह परिवार की भावनात्मक निर्भरता और वयस्क समाज की निर्वैयक्तिक प्रकृति के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है।
Additional Points:
· **परिवार:** पदानुक्रम और देखभाल पर कार्य करता है, आमतौर पर बराबरी वालों द्वारा नियमों की बातचीत पर नहीं।
· **जनसंचार माध्यम:** एक निष्क्रिय अभिकर्ता; यह जानकारी प्रदान करता है लेकिन नियमों की दोतरफा बातचीत में शामिल नहीं होता है।
· **कार्यस्थल:** वयस्क समाजीकरण का एक अभिकर्ता जो उत्पादकता और औपचारिक नियमों पर केंद्रित है।

Q.27 सुश्री शर्मा देखती हैं कि एक नया छात्र, आरव, स्कूल शुरू करने से पहले ही अपना टिफिन साझा करना और "धन्यवाद" कहना जानता है। उन्हें एहसास होता है कि ये बुनियादी व्यवहार उसके माता-पिता ने घर पर सिखाए थे। यह सबसे अच्छा उदाहरण है:

A. द्वितीयक समाजीकरण
B. प्राथमिक समाजीकरण
C. पुनः समाजीकरण
D. प्रत्याशित समाजीकरण

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: **(b) प्राथमिक समाजीकरण**
व्याख्या:
प्राथमिक समाजीकरण शैशवावस्था और बचपन के दौरान, मुख्य रूप से निकटतम परिवार के भीतर होता है। यह वह चरण है जहाँ एक बच्चा व्यापक समाज में प्रवेश करने से पहले अपनी मूल आत्म-अवधारणा बनाता है और भाषा, भावनात्मक बंधन और बुनियादी सामाजिक मानदंडों (शिष्टाचार) जैसे मौलिक कौशल सीखता है।
Information Booster:
· **नींव की परत:** यह सबसे महत्वपूर्ण चरण है क्योंकि यह भविष्य के सभी अधिगम और व्यक्तित्व विकास की नींव रखता है।
· **मुख्य अभिकर्ता:** इस दौरान परिवार एकमात्र अभिकर्ता होता है, जो गहरे भावनात्मक बंधन बनाता है।
· **आत्मसातीकरण:** बच्चा अपने माता-पिता की विश्व को एकमात्र वास्तविकता के रूप में स्वीकार करता है, और मूल्यों को गहराई से आत्मसात करता है।
· **भाषा अधिग्रहण:** यह वह अवस्था है जहाँ बच्चा सामाजिक संपर्क के प्राथमिक उपकरण—भाषा—में महारत हासिल करता है।
· **बुनियादी मानदंड:** मौलिक स्वच्छता, खाने के शिष्टाचार (टिफिन साझा करना) और विनम्रता ("धन्यवाद" कहना) सीखना।
· **आत्म-अवधारणा:** बच्चा पारिवारिक अंतःक्रिया के माध्यम से "मैं" बनाम "अन्य" को पहचानना प्रारंभ करता है।
Additional Points:
· **द्वितीयक समाजीकरण:** जीवन में बाद में (बचपन से वयस्कता तक) स्कूल या कार्यस्थल जैसे औपचारिक परिवेश में होता है, जो परिवार के बाहर विशिष्ट भूमिकाएं सिखाता है।
· **पुनः समाजीकरण:** पूरी तरह से नए व्यवहार सीखने के लिए पुराने व्यवहारों को त्यागने की एक आमूल-चूल प्रक्रिया (जैसे, सेना में शामिल होना)।
· **प्रत्याशित समाजीकरण:** भविष्य की भूमिकाओं के लिए तैयारी करने की प्रक्रिया (जैसे, "घर-घर" या "डॉक्टर-डॉक्टर" खेलना)।

Q.28 समाजीकरण केवल व्यक्तिगत विकास के बारे में नहीं है; यह _____ के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करता है, यह सुनिश्चित करता है कि निरंतरता बनाए रखने के लिए समाज की जीवन शैली, परंपराएं और मूल्य एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक पहुँचाए जाएँ।

A. पुनः समाजीकरण
B. सांस्कृतिक संचरण
C. भूमिका संघर्ष
D. प्रत्याशित अधिगम

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) सांस्कृतिक संचरण**

व्याख्या:

दिया गया विवरण—समाज की जीवन शैली, परंपराओं और मूल्यों को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक पहुँचाना—सांस्कृतिक संचरण की परिभाषा है। समाजीकरण वह आवश्यक प्रक्रिया है जो इस संचरण को होने देती है, जिससे संस्कृति की निरंतरता और अस्तित्व सुनिश्चित होता है।

Information Booster:

· **परिभाषा:** संस्कृति, ज्ञान और सामाजिक मानदंडों को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक पहुँचाना।
· **तंत्र:** समाजीकरण इस प्रक्रिया का वाहन है।
· **सामाजिक कार्य:** यह किसी भी समाज की निरंतरता और स्थिरता के लिए आवश्यक है।
· **उदाहरण:** बच्चे को भाषा सिखाना, त्योहार कैसे मनाना है, या पैसे बचाने का महत्व।
· **अभिकर्ता:** समाजीकरण के सभी अभिकर्ता (परिवार, स्कूल, मीडिया) संस्कृति को प्रसारित करने में भूमिका निभाते।

Additional Points:

· **पुनः समाजीकरण:** इसमें पुराने व्यवहारों को त्यागना और नए को स्वीकार करना शामिल है, जो निरंतरता के बजाय परिवर्तन पर केंद्रित है।
· **भूमिका संघर्ष:** एक संरचनात्मक समस्या जो तब उत्पन्न होती है जब दो भूमिकाओं (जैसे, माता-पिता और कर्मचारी) की अपेक्षाएं टकराती हैं।
· **प्रत्याशित अधिगम:** भविष्य की भूमिका के लिए तैयारी करने की एक व्यक्तिगत प्रक्रिया है, न कि समाज की मूल्यों को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया।

Q.29 वर्गीकरण के 1956 संस्करण ने निम्नतम स्तर के लिए संज्ञा _____ का उपयोग किया, जिसे 2001 के संशोधन में क्रिया _____ में बदल दिया गया।

A. बोध, समझ
B. ज्ञान, स्मरण
C. अनुप्रयोग, अनुप्रयोग
D. संश्लेषण, सृजन

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) ज्ञान, स्मरण**

Explanation:

मूल 1956 मॉडल में, आधार स्तर को "ज्ञान" कहा जाता था। एंडरसन और क्रथवोहल द्वारा 2001 के संशोधित वर्गीकरण में, इसमें शामिल सक्रिय संज्ञानात्मक प्रक्रिया को प्रतिबिंबित करने के लिए इसका नाम बदलकर "स्मरण" कर दिया गया।

Information Booster:

· **ज्ञान (1956):** बारीकियों और सार्वभौमिकों के स्मरण के रूप में परिभाषित।
· **स्मरण (2001):** स्मृति से जानकारी प्राप्त करने के कार्य पर केंद्रित है।
· **भाषाई बदलाव:** संज्ञाएं उत्पादों की श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करती हैं; क्रियाएं मानसिक क्रियाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।
· **आधार स्तर:** दोनों शब्द उच्च सोच के लिए आवश्यक चरण का वर्णन करते हैं।
· **सरलतम प्रक्रिया:** संज्ञानात्मक जुड़ाव के सबसे कम जटिल रूप का प्रतिनिधित्व करता है।

Additional Points:

· **बोध:** यह 1956 में दूसरा स्तर था, जिसका नाम बदलकर 2001 में "समझ" कर दिया गया।
· **अनुप्रयोग:** यह 1956 में तीसरा स्तर था, जिसका नाम बदलकर 2001 में "अनुप्रयोग" कर दिया गया।
· **संश्लेषण:** यह 1956 में पांचवां स्तर था, जिसका नाम बदलकर और छठे स्तर पर "सृजन" के रूप में ले जाया गया।

Q.30 निम्नलिखित में से कौन से कथन 'भावात्मक पक्ष' के बारे में सत्य हैं?

1. 'आग्रहण' सबसे निचला स्तर है, जिसमें उद्दीपन के प्रति जागरूकता शामिल है।
2. 'चारित्रिकरण' उच्चतम स्तर है, जहाँ मूल्य जीवन का एक तरीका बन जाते हैं।
3. इसे शारीरिक फिटनेस और चपलता को वर्गीकृत करने के लिए विकसित किया गया था।
4. 'मूल्यन' में किसी विशिष्ट वस्तु या व्यवहार को महत्व देना शामिल है।
5. यह पक्ष आंतरीकरण के पदानुक्रम का पालन करता है।

A. केवल 1, 2, और 3
B. केवल 2, 3, और 4
C. केवल 1, 2, 4, और 5
D. केवल 1, 2, और 4

Answer: C

Sol: सही उत्तर है **(c) केवल 1, 2, 4, और 5**

Explanation:

भावात्मक पक्ष (क्रथवोहल आदि) यह ट्रैक करता है कि भावनाओं और मूल्यों को कैसे आंतरिक बनाया जाता है। यह साधारण जागरूकता से शुरू होता है और व्यक्ति के चरित्र का हिस्सा बनने वाले मूल्य के साथ समाप्त होता है। कथन 3 गलत है क्योंकि यह मनोगत्यात्मक पक्ष का वर्णन करता है।

Information Booster:

· **आंतरीकरण:** वह प्रक्रिया जहाँ बाहरी मूल्य एक आंतरिक विश्वास बन जाता है।
· **आग्रहण:** शिक्षक को सुनने या उस पर ध्यान देने के लिए तैयार होना।

· **चारित्रिकरण:** वह चरण जहाँ व्यवहार लगातार आंतरिक मूल्यों द्वारा निर्देशित होता है।
· **मूल्यन:** किसी उद्देश्य या विश्वासों के विशिष्ट सेट के प्रति प्रतिबद्धता दिखाना।
Additional Points:
· **शारीरिक फिटनेस:** यह सख्ती से मनोगत्यात्मक पक्ष से संबंधित है, न कि भावात्मक से।

Q.31 एक शिक्षिका एक छात्र के सहयोग कौशल और समय के साथ सहानुभूति को ट्रैक करने के लिए एक रेटिंग स्केल का उपयोग करती है और उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड रखती है। यह _____ क्षेत्र के आकलन का एक उदाहरण है।

A. संज्ञानात्मक
B. भावात्मक
C. मनोगत्यात्मक
D. अधिसंज्ञानात्मक

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: **(b) भावात्मक**
व्याख्या:
सहयोग, दृष्टिकोण, सहानुभूति और सामाजिक व्यवहार भावात्मक विकास के अंतर्गत आते हैं। रेटिंग स्केल और उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड शिक्षकों को समय के साथ इन व्यवहारों को ट्रैक करने में सहायता करते हैं। इस प्रकार, शिक्षक संज्ञानात्मक या गत्यात्मक कौशल का नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विशेषताओं का मापन कर रही है।
Information Booster:
· **अर्थ:** भावात्मक क्षेत्र में भावनाएँ, दृष्टिकोण, मूल्य और भावनात्मक व्यवहार शामिल हैं।
· **अवलोकन उपकरण:** उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड वास्तविक कक्षा व्यवहार को पकड़ते हैं जिसे लिखित परीक्षणों में नहीं मापा जा सकता है।
· **सामाजिक-भावनात्मक विशेषताएँ:** सहानुभूति, सहयोग और प्रेरणा भावात्मक क्षेत्र के प्रमुख पहलू हैं।
· **विकास ट्रैकिंग:** शिक्षक भावनात्मक परिपक्वता और पारस्परिक कौशल को समझने के लिए निरंतर अवलोकन का उपयोग करते हैं।
· **महत्व:** भावात्मक आकलन छात्रों की भावनात्मक भलाई और सामाजिक समायोजन का समर्थन करने में सहायता करता है।
Additional Points:
· **संज्ञानात्मक:** सोच और तर्क से संबंधित है, भावनाओं या सहानुभूति से नहीं।
· **मनोगत्यात्मक:** इसमें मांसपेशियों के समन्वय और शारीरिक कौशल शामिल हैं।
· **अधिसंज्ञानात्मक:** यह किसी की सोच के बारे में सोचने को संदर्भित करता है, भावनात्मक विशेषताओं को नहीं।

Q.32 पावलोव के सेटअप में: घंटी → भोजन → लार टपकना। प्रशिक्षण के बाद, घंटी → लार टपकना। यदि अब थोड़ा अलग स्वर (लेकिन समान) बजाया जाता है और कुत्ता लार टपकाता है, तो इसे कहा जाता है:

A. उद्दीपक विभेदन
B. उद्दीपक सामान्यीकरण
C. स्वतः पुनर्प्राप्ति
D. अनुक्रिया विलंबता

Answer: B

Sol: **हल: सही उत्तर:: (b) उद्दीपक सामान्यीकरण**
स्पष्टीकरण:
पावलोव के क्लासिकल कंडीशनिंग प्रयोग में जब कुत्ते को घंटी के साथ भोजन बार-बार दिया गया, तो घंटी एक अनुकूलित उद्दीपक बन गया और घंटी बजते ही कुत्ता लार टपकाने लगा।
अब अगर घंटी से मिलता-जुलता कोई नया स्वर बजाया जाए और कुत्ता फिर भी लार टपकाए, तो इसका मतलब है कि कुत्ते ने उद्दीपकों के बीच फर्क नहीं किया, बल्कि अनुक्रिया को समान उद्दीपक पर भी स्थानांतरित कर दिया।
इस प्रक्रिया को उद्दीपक सामान्यीकरण कहते हैं।
Information Booster:
→क्लासिकल कंडीशनिंग में उद्दीपक सामान्यीकरण तब होता है जब जीव अपनी सीखी हुई अनुक्रिया को समान उद्दीपकों पर भी दिखाता है।
पावलोव के कुत्ते:
→घंटी पर कंडीशनिंग हो गई।
→फिर अगर समान पिच का घंटी का स्वर बजाया गया और कुत्ता लार टपकाए → सामान्यीकरण।
वास्तविक जीवन के उदाहरण:
→एक बच्चा अगर एक सफेद खरगोश से डर गया, और फिर सफेद फर कोट से भी डर जाता है, तो यह सामान्यीकरण है।
→स्कूल में बच्चा अगर एक शिक्षक की प्रशंसा से अभिप्रेरित होता है और दूसरे सहायक शिक्षक के साथ भी अभिप्रेरित महसूस करे → सामान्यीकरण।
Additional Knowledge:
→जब जीव समान उद्दीपकों को अलग करना सीख लेता है, तो उसे उद्दीपक विभेदन कहते हैं।
→सामान्यीकरण प्रारंभिक अधिगम चरण का स्वाभाविक हिस्सा है और बाद के अभ्यास और प्रदर्शन से जीव उद्दीपकों को विभेदित करना सीख लेता है।

Q.33 निम्नलिखित में से कौन सा आरटीई अधिनियम 2009 का प्रावधान नहीं है?

A. 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा
B. स्कूलों में शारीरिक दंड पर प्रतिबंध
C. कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य बोर्ड परीक्षाएं
D. प्रारंभिक शिक्षा के लिए स्कूल फीस पर प्रतिबंध

Answer: C

Sol: सही उत्तर है **(c) कक्षा V के छात्रों के लिए अनिवार्य बोर्ड परीक्षा**। **बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE अधिनियम)** यह सुनिश्चित करता है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को संतोषजनक और समान गुणवत्ता की पूर्णकालिक प्राथमिक शिक्षा का अधिकार है। हालाँकि, अधिनियम प्रारंभिक स्तर पर बोर्ड परीक्षाओं को अनिवार्य नहीं करता है। वास्तव में, इसने शुरू में **नो-डिटेंशन पॉलिसी** पर जोर दिया था, जिसका अर्थ है कि छात्रों को कक्षा आठ तक फेल या निष्कासित नहीं किया जाएगा। हालाँकि कुछ राज्यों ने बाद में फिर से परीक्षा के प्रावधानों के साथ परीक्षाओं को फिर से शुरू किया है, लेकिन कक्षा V के लिए एक राष्ट्रीय **अनिवार्य बोर्ड परीक्षा** मूल या संशोधित RTE अधिनियम के तहत एक प्रावधान नहीं है।

Information Booster

1. **आरटीई अधिनियम की धारा 3** 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करती है।
2. **धारा 17** शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर सख्ती से रोक लगाती है।
3. **धारा 8 और 9** सरकार को बुनियादी ढाँचा और धन उपलब्ध कराने के लिए बाध्य करती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी स्कूल फीस न ले।
4. अधिनियम बोर्ड परीक्षाओं के बजाय **सतत और व्यापक मूल्यांकन (CCE)** को प्रोत्साहित करता है।
5. एनईपी 2020 द्वारा हाल ही में किए गए बदलाव मूल्यांकन की अनुमति देते हैं, लेकिन बाल-अनुकूल शिक्षण के ढांचे के भीतर।

Q.34 आरटीई अधिनियम 2009 की किस धारा में कहा गया है कि, "प्रत्येक माता-पिता या संरक्षक का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने बच्चे या प्रतिपाल्य को, जैसा भी मामला हो, पड़ोस के स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा में प्रवेश दिलाए या प्रवेश दिलाए"?

A. 6
B. 9
C. 10
D. 8

Answer: C

Sol: शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 की धारा 10 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह सुनिश्चित करना प्रत्येक माता-पिता या अभिभावक का कर्तव्य है कि उनके बच्चे या वार्ड को प्रारंभिक शिक्षा के लिए स्कूल में दाखिला मिले। यह प्रावधान माता-पिता या अभिभावकों पर नामांकन की जिम्मेदारी डालकर सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को पुष्ट करता है।
RTE अधिनियम, 2009, 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करता है, और धारा 10 माता-पिता के बीच अपने बच्चों के शिक्षा के अधिकार का समर्थन करने के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
Information Booster: · शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21A को लागू करने के लिए अधिनियमित किया गया था, जो मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है।
· धारा 10 माता-पिता या अभिभावकों को अपने बच्चे का नामांकन पड़ोस के स्कूल में सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी सौंपती है।
· अधिनियम की धारा 3 यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक बच्चे को मुफ़्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का अधिकार है।
· धारा 12(1)(सी) के अनुसार निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूहों के लिए अपनी 25% सीटें आरक्षित करनी होंगी।
· आरटीई अधिनियम सभी स्कूलों पर लागू होता है, जिसमें सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी संस्थान शामिल हैं, सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुसार अल्पसंख्यक संस्थानों को छोड़कर।
· धारा 4 में उन बच्चों के लिए विशेष प्रावधान शामिल हैं, जिन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा या पढ़ाई छोड़ दी।
· अधिनियम में प्रवेश के दौरान शारीरिक दंड, भेदभाव और छात्रों की जांच पर भी रोक लगाई गई है।
Additional Information: · धारा 6: यह अनिवार्य करता है कि उपयुक्त सरकारी अधिकारी हर बच्चे के लिए पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पड़ोस में स्कूल स्थापित करें।
· धारा 9: बच्चों के प्रवेश, उपस्थिति और प्राथमिक शिक्षा को पूरा करने को सुनिश्चित करने सहित स्थानीय अधिकारियों के कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है।
· धारा 8: अधिनियम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त सरकार को जिम्मेदारियाँ सौंपता है, जिसमें निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा, बुनियादी ढाँचा और शिक्षक भर्ती शामिल है।

Q.35 आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 3 के अनुसार, स्कूल को निम्नलिखित आयु वर्ग के बच्चों का प्रवेश अस्वीकार नहीं करना चाहिए:

A. 3 से 5 वर्ष
B. 8 से 14 वर्ष
C. 6 से 14 वर्ष
D. 9 से 12 वर्ष

Answer: C

Sol: सही उत्तर है: (c) 6 से 14 वर्ष
बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 की धारा 3 के अनुसार, 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक पड़ोस के स्कूल में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार होगा। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि इस आयु वर्ग के किसी भी बच्चे को किसी भी कारण से स्कूल में प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा, जिसमें देर से प्रवेश, दस्तावेजों की कमी या प्रवास शामिल है।
कानून में कहा गया है कि ऐसे सभी बच्चों को शिक्षा प्रदान करना सरकार का दायित्व है और किसी भी प्रकार के भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने और पहुंच, समानता और गुणवत्ता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

Information Booster:

- आरटीई अधिनियम, 2009 1 अप्रैल 2010 को लागू हुआ, जिसने अनुच्छेद 21ए के तहत शिक्षा को मौलिक अधिकार बना दिया।

- धारा 3 में विशेष रूप से प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों को बिना किसी इनकार के स्कूल में प्रवेश दिया जाना चाहिए।
- इस आयु वर्ग में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षा शामिल है, यानी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा।
- कानून यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी बच्चे को प्रवेश पाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज़ दिखाने की आवश्यकता नहीं है।
- यह वंचित समूहों या कमज़ोर वर्गों के बच्चों के लिए भी गैर-भेदभाव को अनिवार्य बनाता है।
- आरटीई अधिनियम प्राथमिक शिक्षा पूरी होने तक समावेशन, नामांकन और प्रतिधारण पर जोर देता है।
- यह उचित सरकार पर यह सुनिश्चित करने का दायित्व भी डालता है कि पड़ोस में स्कूल उपलब्ध हों।

Q.36 बहुउद्देशीय विद्यालयों का विचार किस आयोग ने दिया था?

A. कोठारी आयोग
B. मुदलियार आयोग
C. बिड़ला अंबानी आयोग
D. मंडल आयोग

Answer: B

Sol: **मुदलियार आयोग** (1952-53), जिसे आधिकारिक रूप से माध्यमिक शिक्षा आयोग कहा जाता है, ने **मल्टीपर्पज स्कूलों** (बहुउद्देशीय विद्यालयों) की अवधारणा प्रस्तुत की थी। इसका उद्देश्य माध्यमिक शिक्षा को विविध बनाना था ताकि यह छात्रों की विभिन्न रुचियों, क्षमताओं और भविष्य के व्यवसायों के अनुरूप हो सके। आयोग के अनुसार, सभी छात्रों को एक समान अकादमिक पाठ्यक्रम में नहीं ढकेला जाना चाहिए; इसके बजाय, विद्यालयों में तकनीकी, कृषि, वाणिज्यिक और ललित कला जैसे विभिन्न कोर्स, अकादमिक धाराओं के साथ, उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इस दृष्टिकोण से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और अर्थपूर्ण बनाया जा सकता है, जिससे छात्रों की रोजगार क्षमता और कौशल विकास में वृद्धि होगी।

मल्टीपर्पज स्कूलों की परिकल्पना एक ही छत के नीचे विभिन्न विषयों को उपलब्ध कराने के रूप में की गई थी, जिससे छात्र अपनी रुचि और क्षमताओं के अनुसार चयन कर सकें। इस लचीलापन को राष्ट्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया था, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यक कौशलों का पोषण करेगा।

मुदलियार आयोग ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा केवल छात्रों को विश्वविद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी सक्षम बनाना चाहिए।

Information Booster

1. **मल्टीपर्पज स्कूलों का उद्देश्य:** इन्हें विविध शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने और शिक्षा को व्यावसायिक तथा पेशेवर कौशलों के अनुरूप बनाने के लिए शुरू किया गया था।
2. **मुदलियार आयोग की प्रमुख सिफारिशें:** इसमें माध्यमिक शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाना, पाठ्यक्रमों में विविधता लाना और शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार करना शामिल था।
3. **सुझाया गया ढांचा:** माध्यमिक शिक्षा में बहुपथ प्रणाली (multi-track system) जिसमें अकादमिक, तकनीकी, कृषि और वाणिज्यिक धाराएं शामिल हों।
4. **प्रभाव:** पाठ्यक्रमों के आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित किया और भारतीय शिक्षा में व्यावसायीकरण (vocationalization) की नींव रखी।
5. **महत्त्व:** इसका उद्देश्य पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की जड़ता को तोड़ना और छात्रों को केवल उच्च शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न भूमिकाओं के लिए तैयार करना था।

Additional Information

- **(a) कोठारी आयोग:** कोठारी आयोग (1964-66) ने भारत में शिक्षा के संपूर्ण पुनर्गठन पर ध्यान केंद्रित किया और एक समान 10+2+3 संरचना की अवधारणा प्रस्तुत की, लेकिन इसने मल्टीपर्पज स्कूलों का विशेष रूप से प्रस्ताव नहीं दिया।
- **(c) बिरला-अंबानी आयोग:** औपचारिक रूप से "बिरला-अंबानी रिपोर्ट" (2000) के रूप में जाना जाता है, जो उच्च शिक्षा सुधारों और निजीकरण से संबंधित थी, न कि माध्यमिक शिक्षा या मल्टीपर्पज स्कूलों से।
- **(d) मंडल आयोग:** 1979 में स्थापित मंडल आयोग मुख्य रूप से भारत में सामाजिक या शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (OBCs) की पहचान करने और उनके लिए आरक्षण की सिफारिश करने पर केंद्रित था; इसका मल्टीपर्पज स्कूलों की अवधारणा से कोई संबंध नहीं था।

Q.37 एनसीएफ 2005 के अनुसार कौशल जैसे -धैर्य और धीरज के साथ सुनना, एकाग्रता और टीम वर्क विकसित करने के लिए मन की शुद्धता किन विषयों में शामिल है-

A. काम और शिक्षा
B. शांति का अध्ययन
C. स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा
D. कंप्यूटर

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) शांति का अध्ययन** है।
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) 2005 के अनुसार, **शांति का अध्ययन** एक अंतःविषय विषय है जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों में धैर्य, सहनशीलता, एकाग्रता और टीमवर्क जैसे मूल्यों को विकसित करना है। यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, आपसी सम्मान और संघर्ष समाधान के लिए आवश्यक भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। इन कौशलों को संवाद, सहयोगी परियोजनाओं और चिंतनशील अभ्यास जैसी गतिविधियों के माध्यम से विकसित किया जाता है।

शांति का अध्ययन छात्रों को सहानुभूति और समझ के साथ परिस्थितियों का सामना करना सिखाकर, व्यक्तिगत और सामाजिक संदर्भों में सद्भाव को बढ़ावा देकर शांतिपूर्ण मानसिकता को पोषित करने पर जोर देता है। यह उल्लिखित कौशलों के साथ संरेखित है, क्योंकि वे शांति और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Q.38 निम्नलिखित में से कौन सा कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत का एक प्रमुख सिद्धांत है?

A. नैतिक तर्क केवल सत्ता के प्रति आज्ञाकारिता पर आधारित है
B. नैतिक विकास निश्चित चरणों के माध्यम से आगे बढ़ता है, प्रत्येक नैतिक तर्क के उच्च स्तर का प्रतिनिधित्व करता है
C. नैतिक निर्णय व्यक्तिगत तर्क के बजाय सांस्कृतिक मानदंडों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं
D. नैतिक विकास जन्मजात जैविक प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है

Answer: B

Sol: **सही उत्तर: (B) नैतिक विकास निश्चित चरणों के माध्यम से आगे बढ़ता है, प्रत्येक नैतिक तर्क के उच्च स्तर का प्रतिनिधित्व करता है**
व्याख्या:
→ कोहलबर्ग ने प्रस्ताव दिया कि नैतिक विकास छह चरणों में होता है।
→ इन चरणों को तीन स्तरों में बांटा गया है।
→ प्रत्येक चरण नैतिक तर्क के अधिक उन्नत रूप को दर्शाता है।
→ प्रगति अनुक्रमिक (sequential) और अपरिवर्तनीय है।
→ अतः, नैतिक विकास निश्चित चरणों का पालन करता है।
Information Booster:
→ तीन स्तर पूर्व-पारंपरिक, पारंपरिक और उत्तर-पारंपरिक हैं।
→ नैतिक तर्क, न कि व्यवहार, सिद्धांत के लिए केंद्रीय है।
→ संज्ञानात्मक विकास नैतिक विकास को प्रभावित करता है।
→ सभी व्यक्ति उच्च चरणों तक नहीं पहुँचते हैं।
→ सिद्धांत ने पियाजे के विचारों का विस्तार किया।
Additional Knowledge (अन्य विकल्प):
विकल्प (A) केवल आज्ञाकारिता: यह केवल प्रारंभिक चरण पर लागू होता है।
विकल्प (C) केवल सांस्कृतिक मानदंड: व्यक्तिगत तर्क केंद्रीय भूमिका निभाता है।
विकल्प (D) जन्मजात जीव विज्ञान: नैतिक विकास विशुद्ध रूप से जैविक नहीं है।

Q.39 वृद्धि और विकास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन "परिपक्वता" को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?

A. जीन और पर्यावरण के बीच परस्पर क्रिया के कारण होने वाले प्रगतिशील परिवर्तन
B. किसी व्यक्ति के बड़े होने पर होने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तन
C. जैविक परिवर्तन जो आनुवंशिक निर्देशों के अनुसार होते हैं, जो पर्यावरण से स्वतंत्र होते हैं
D. जीवन के अनुभवों और सीखने के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तन

Answer: C

Sol: **सही उत्तर: (C) जैविक परिवर्तन जो आनुवंशिक निर्देशों के अनुसार होते हैं, जो पर्यावरण से स्वतंत्र होते हैं।**
Explanation:
→ परिपक्वता उन प्राकृतिक, जैविक रूप से संचालित परिवर्तनों को संदर्भित करती है जो किसी व्यक्ति के बड़े होने पर होते हैं, जो बड़े पैमाने पर आनुवंशिक प्रोग्रामिंग द्वारा नियंत्रित होते हैं।
→ चलना, दांत निकलना, यौवन और तंत्रिका विकास जैसे कौशल परिपक्वता के हिस्से के रूप में होते हैं।
→ ये परिवर्तन प्रशिक्षण या बाहरी उत्तेजना की परवाह किए बिना होते हैं।
→ परिपक्वता सीखने के लिए नींव रखती है — कुछ व्यवहार तभी दिखाई देते हैं जब शरीर जैविक रूप से तैयार होता है।
→ यह व्यक्तियों में अनुमानित और सार्वभौमिक है।
Information Booster:
→ अर्नाल्ड गेसेल ने विकासात्मक मनोविज्ञान में परिपक्वता पर जोर दिया।
→ **यह सीखने में तत्परता की व्याख्या करता है — उदाहरण के लिए, एक बच्चा सूक्ष्म मोटर कौशल परिपक्व होने से पहले लिख नहीं सकता है।**
→ **यह संज्ञानात्मक, शारीरिक, और भावनात्मक विकास को प्रभावित करता है।**

→ परिपक्वता में देरी विकासात्मक विकारों का संकेत दे सकती है।
→ परिपक्वता सीखने के साथ परस्पर क्रिया करती है लेकिन यह सीखने के कारण नहीं होती है।
Additional Information (Other Options):
विकल्प (A) परस्पर क्रिया परिवर्तन: वृद्धि और विकास को संदर्भित करता है, सख्ती से परिपक्वता को नहीं।
विकल्प (B) शारीरिक/भावनात्मक परिवर्तन: बहुत व्यापक है और इसमें पर्यावरणीय प्रभाव शामिल है।
विकल्प (D) सीखने पर आधारित परिवर्तन: अनुभव के माध्यम से विकास को दर्शाता है, परिपक्वता को नहीं।

Q.40 पर्यावरण कारक को उसके विकासात्मक प्रभाव के साथ सुमेलित करें:

सूची–I(कारक)	**सूची–II(प्रभाव)**
A. माता-पिता का स्नेह (वार्मथ)	1. व्यवहार संबंधी समस्याएँ
B. अराजक घरेलू वातावरण	2. उच्च आत्म-सम्मान
C. सामुदायिक हिंसा	3. भय और असुरक्षा
D. माता-पिता का अत्यधिक संरक्षण	4. कम स्वायत्तता (ऑटोनॉमी)

A. A-2, B-1, C-3, D-4
B. A-1, B-2, C-4, D-3
C. A-3, B-4, C-1, D-2
D. A-4, B-3, C-2, D-1

Answer: A

Sol: हल: सही उत्तर है: (a) A-2, B-1, C-3, D-4
Explanation:
माता-पिता का स्नेह → उच्च आत्म-सम्मान
जब बच्चे वास्तविक प्यार, देखभाल और भावनात्मक समर्थन का अनुभव करते हैं, तो वे आत्मविश्वास, भावनात्मक सुरक्षा और सकारात्मक आत्म-मूल्य विकसित करते हैं।
अराजक घरेलू वातावरण → व्यवहार संबंधी समस्याएँ
एक अव्यवस्थित, अप्रत्याशित, या संघर्ष से भरा घर तनाव बढ़ाता है, जिससे बच्चों में आक्रामकता, विचलितता और भावनात्मक नियमन में गड़बड़ी होती है।
सामुदायिक हिंसा → भय और असुरक्षा
पड़ोस में हिंसा के संपर्क में आने से चिंता, अत्यधिक सतर्कता, और खतरे की एक निरंतर भावना पैदा होती है।
माता-पिता का अत्यधिक संरक्षण → कम स्वायत्तता
जब माता-पिता अत्यधिक नियंत्रणकारी होते हैं, तो बच्चों को स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने या समस्याओं को हल करने के अवसर नहीं मिलते हैं, जिससे उनकी स्वायत्तता कम हो जाती है।
Information Booster:
→ बच्चों का विकास घर के माहौल, पालन-पोषण की शैली, और सामुदायिक वातावरण द्वारा संयुक्त रूप से आकार लेता है।
→ गर्मजोशी भरा और उत्तरदायी पालन-पोषण भावनात्मक लचीलापन और स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण करता है।
→ अराजक या असुरक्षित परिवेश तनाव हार्मोन को बढ़ाता है, जो व्यवहार और अधिगम को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।
→ अत्यधिक संरक्षण देखभाल भरा लग सकता है, लेकिन यह निर्णय लेने, आत्मविश्वास और समस्या-समाधान कौशल को सीमित करता है।
→ विकास तब फलता-फूलता है जब बच्चों को समर्थन, सुरक्षा और स्वतंत्रता का संतुलन अनुभव होता है।
Additional Knowledge:
→ पर्यावरणीय कारक मॉडलिंग, पुनर्बलन, भावनात्मक माहौल और तनाव के संपर्क के माध्यम से कार्य करते हैं।
→ दीर्घकालिक तनाव वाले वातावरण (हिंसा, अराजकता) ध्यान और आत्म-नियंत्रण जैसे कार्यकारी कार्यों को कमजोर करते हैं।
→ सहायक वातावरण (स्नेह, संरचना) सामाजिक सक्षमता, आत्म-नियमन और शैक्षणिक सफलता को बढ़ावा देते हैं।